● जयपुर, शुक्रवार, 9 अगस्त 24 ● वर्ष 13 ● अंक 342 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक

राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● स्वामी विवेकानंद

पेज @3 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत घर-घर में फहराएं तिरंगा...

पेज @4 नदी से नदी जुड़े तो किसानों को खेती के लिए व आमजन को मिलेगा पीने ...

पेज @8 कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर भारत में बांग्लादेश जैसी स्थिति बनाना चाहते है...

विपक्षी दलों के विरोध के बीच सरकार ने लोकसभा में पेश किया वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक, जेडीयू-टीडीपी ने किया समर्थन

नई दिल्ली/एजेंसी।

विपक्षी दलों के भारी विरोध के बीच सरकार ने गुरुवार को लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक-2024 और मुसलमान वक्फ (निरसन) विधेयक-2024 को पेश कर दिया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा नाम पुकारे जाने पर अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू जब सदन में वक्फ (संशोधन) विधेयक-2024 को पेश करने के लिए खड़े हुए तो राहुल गांधी और अखिलेश यादव सहित पूरा विपक्ष विरोध में सदन में खड़े हो गए।

विपक्षी दलों की तरफ से बोलते हुए कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल एवं इमरान मसूद, सपा से अखिलेश यादव एवं मोहिब्बुल्लाह, टीएमसी से सुदीप बंदोपाध्याय, एनसीपी (शरद पवार) से सुप्रिया सुले और एआईएमआईएम से असदुद्दीन ओवैसी के अलावा डीएमके, आईयूएमएल, सीपीआई, सीपीआई (एम), आरएसपी, वीसीके सहित अन्य कई विपक्षी दलों के सांसदों ने इसे संविधान और मुसलमान विरोधी बताते हुए इसे पेश करने का विरोध किया।

वहीं, एनडीए गठबंधन में शामिल जेडीयू, टीडीपी और शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) ने सरकार का साथ देते हुए इस बिल का समर्थन किया। जेडीयू की तरफ से बोलते हुए केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने बिल का समर्थन करते हुए कहा कि निरंकुश संस्था में पारदर्शिता लाना सरकार का काम है। यह बिल मुसलमान विरोधी नहीं है। विपक्ष को मंदिर या संस्था

में अंतर नजर नहीं आ रहा है।

उन्होंने 1984 के सिख दंगों के लिए कांग्रेस पर भी जमकर निशाना साधा। वहीं, सरकार की एक अन्य सहयोगी पार्टी टीडीपी की तरफ से बोलते हुए जीएम. हरीश बालयोगी ने भी बिल का समर्थन किया।

बालयोगी ने कहा कि वक्फ बोर्ड में सुधार कर पारदर्शी व्यवस्था लाना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने बिल का समर्थन करते हुए यह भी कहा कि अगर इस बिल को किसी कमेटी में भेजा जाता है तो टीडीपी को कोई दिक्कत नहीं होगी।

सरकार की तरफ से जवाब देते हुए केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने सदन में विरोधी दलों की आपत्तियों को खारिज करते हुए कहा कि यह बिल किसी धर्म के खिलाफ नहीं है। वक्फ (संशोधन) विधेयक-2024 से किसी भी धार्मिक संस्था की स्वतंत्रता में कोई हस्तक्षेप नहीं होगा। इस सदन और सरकार को बिल लाने का अधिकार है और इससे संविधान के किसी भी अनुच्छेद का उल्लंघन नहीं हो रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि इस बिल के जरिए किसी का भी कोई अधिकार नहीं छीना जा रहा है, बल्कि यह विधेयक उन लोगों को अधिकार देने के लिए लाया गया है, जिन्हें कभी अधिकार नहीं मिले। किरेन रिजिजू ने अपने भाषण में विस्तार से इस बिल की जरूरत बताते हुए कहा कि इसमें मुस्लिम महिलाओं समेत मुस्लिम समाज के अन्य पिछड़े वर्ग, बोहरा और आगाखानी जैसे वर्गों को प्रतिनिधित्व दिया गया है। वक्फ बोर्ड की आमदनी को मुस्लिम वर्गों की भलाई, मुस्लिम महिलाओं और बच्चों की भलाई के लिए ही खर्च किया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि सरकार 2015 से वक्फ कानून में संशोधन लाने के लिए विभिन्न स्तरों पर लाखों लोगों से विचार-विमर्श कर चुकी है। उन्होंने मनमोहन सिंह सरकार के कार्यकाल में गठित सच्चर कमेटी और जेपीसी की सिफारिशों का जिक्र करते हुए कहा कि वे तो कांग्रेस सरकार के अधूरे कामों को ही पूरा कर रहे हैं। कांग्रेस जो काम करना चाहती थी, लेकिन नहीं कर पाई, उसे पूरा करने के लिए मोदी सरकार यह बिल लेकर आई है। अपने भाषण के अंत में केंद्रीय मंत्री ने इस बिल को जेपीसी में भेजने का प्रस्ताव रखा। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि वे इस बिल को लेकर जेपीसी बनाने का काम करेंगे। इसके बाद केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने वक्फ कानूनों से जुड़े दूसरे विधेयक मुसलमान वक्फ (निरसन) विधेयक-2024 को सदन में पेश किया। विपक्षी दलों ने इसका भी विरोध किया।

इस पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सदन में खड़े होकर कहा कि आजादी के बाद वक्फ बोर्ड के कानून में संशोधन होने के बाद मुसलमान वक्फ कानून-1923 का अस्तित्व अपने आप ही समाप्त हो गया था। लेकिन, इसे कागजों से नहीं हटाया गया। शाह ने कहा कि यह बिल (मुसलमान वक्फ (निरसन) विधेयक-2024) 1923 में बने (मुसलमान वक्फ कानून-1923) कानून को सिर्फ कागजों से हटाने के लिए लाया गया है, जो अस्तित्व में ही नहीं है।

न्यूज अपडेट

पश्चिम बंगाल के पूर्व सीएम बुद्धदेव भट्टाचार्य का निधन

कोलकात्ता/एजेंसी। पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य का निधन हो गया है। उन्होंने कोलकाता में अपने आवास पर अंतिम सांस ली। वह 80 साल के थे। बंगाल के पूर्व सीएम ने गुरुवार सुबह 8.20 बजे अंतिम सांस

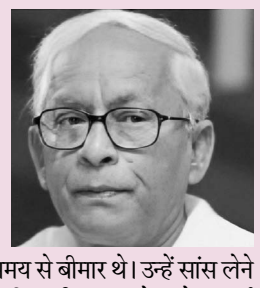

ली। वह लंबे समय से बीमार थे। उन्हें सांस लेने में दिक्कत थी, जिसकी वजह से उन्हें जुलाई में अस्पताल में भी भर्ती कराया गया था। वह काफी समय से सीओपीडी और बुढ़ापे से जुड़ी अन्य बीमारियों से पीड़ित थे। उनका कोलकाता में उनके घर पर ही इलाज चल रहा था। उनके परिवार में उनकी पत्नी और एक बेटी है। भट्टाचार्य अपने स्वास्थ्य के कारण पिछले कुछ वर्षों से सार्वजनिक जीवन से दूर थे। उन्होंने 2015 में सीपीआई (एम) के पोलित ब्यूरो और केंद्रीय समिति से इस्तीफा दे दिया था और 2018 में राज्य सचिवालय की सदस्यता छोड़ दी थी।

भट्टाचार्य 2000 से 2011 तक पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री रहे थे। वह कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) के पोलित ब्यूरो के सदस्य भी रह चुके थे। बुद्धदेव भट्टाचार्य का जन्म एक मार्च 1944 को उत्तरी कोलकाता में हुआ था।

बांग्लादेश में भारतीय दूतावास का बड़ा फैसला, अगले आदेश तक बंद हुआ एंबेसी का वीजा सेंटर

नई दिल्ली/एजेंसी। पड़ोसी देश में अशांति के कारण शेख हसीना को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देकर देश छोड×कर जाना पड़ा, जिसके बाद बांग्लादेश में सभी भारतीय वीज़ा आवेदन केंद्र अगले नोटिस तक बंद रहेंगे। भारतीय वीज़ा के लिए आवेदन करने के लिए ऑनलाइन पोर्टल पर अब एक संदेश है, अस्थिर स्थिति के कारण सभी आईवीएसी अगले नोटिस तक बंद रहेंगे। अगली आवेदन तिथि एसएमएस के जरिए सूचित की जाएगी और अनुरोध है कि पासपोर्ट अगले वर्किंग डे पर प्राप्त करें। बता दें कि यह जानकारी नई दिल्ली द्वारा बांग्लादेश में अस्थिर स्थिति के बीच अपने उच्चायोग और वाणिज्य दूतावास से नॉन-एसेंशियल कर्मचारियों और उनके परिवारों को निकालने जाने के एक दिन बाद आई है। हालांकि, सरकारी सूत्रों ने बताया कि भारतीय राजनयिक देश में ही हैं और मिशन पर काम कर रहे हैं। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में भारत का उच्चायोग है तथा चटगांव, राजशाही, खुलना और सिलहट में वाणिज्य दूतावास हैं। पड़ोसी देश की स्थिति के बारे में बात करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा था कि लगभग 19 हजार भारतीय बांग्लादेश में हैं, जिनमें से 9 हजार छात्र हैं।

विनेश फोगाट ने किया रिटायरमेंट का ऐलान, बोलीं-

कुश्ती जीत गई और मैं हार गई... माफ करना

नई दिल्ली/एजेंसी।

पेरिस ओलंपिक में भारत को विनेश फोगाट के डिसक्वालीफाई होने के बाद एक बड़ा झटका लगा था और अब उसके अगले ही दिन विनेश फोगाट ने संन्यास का ऐलान कर दिया, जिससे हर कोई स्तब्ध है। पहली बार महिला कुश्ती के फाइनल में पहुंची विनेश फोगाट से भारत को गोल्ड मेडल की आस थी। लेकिन फाइनल मैच के दिन उनको ओवरवेट होने की वजह से अयोग्य घोषित कर दिया गया।

इस फैसले ने ना सिर्फ विनेश से मेडल छीना बल्कि विरोधियों को धूल चटाने वाली विनेश की हिम्मत भी तोड़ दी। 2001 से कुश्ती लड़ रही विनेश ने आखिरकार 2024 में खेल को अलविदा कह दिया। विनेश ने गुरुवार को सोशल प्लेटफॉर्म एक्स पर सुबह-सुबह एक पोस्ट में यह घोषणा की। विनेश ने एक्स पर पोस्ट किया, कुश्ती जीत गई, मैं हार गई, माफ करना आपका सपना मेरी हिम्मत सब टूट चुके, ज़्यादा ताकत अब नहीं रही। अलविदा कुश्ती 2001-2024। आप सबकी हमेशा ऋणी रहूंगी, माफी। विनेश ने मंगलवार को ओलंपिक के फाइनल में पहुंच कर इतिहास रच दिया था। टोक्यो ओलंपिक में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद उनकी वापसी की कहानी दिल टूटने के साथ समाप्त हुई। पेरिस ओलंपिक के फाइनल मैच से पहले उनका वजन अधिक पाया गया और उन्हें प्रतियोगिता से अयोग्य घोषित कर दिया गया। विनेश का वजन 50 किलोग्राम की सीमा से 100 ग्राम अधिक पाया गया और इस तरह उन्हें प्रतियोगिता से बाहर कर दिया गया और यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग के नियमों के अनुसार उन्हें अंतिम स्थान दिया गया। विनेश फोगाट ने फाइनल में पहुंचकर अपना कम से कम सिल्वर पक्का कर लिया था लेकिन ओलंपिक के नियम की वजह से अयोग्य करार दिए जाने से उनको मेडल ना दिए जाने का फैसला हुआ।

हरियाणा सीएम का ऐलान :

विनेश फोगाट को 4 करोड़ देगी सरकार सिल्वर मेडल के बराबर सम्मान मिलेगा

चंडीगढ़/एजेंसी।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरुवार को घोषणा की कि पहलवान विनेश फोगाट को वह हर सुविधा और सम्मान मिलेगा जो ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट को मिलता है।पेरिस ओलंपिक में भारतीय स्टार पहलवान विनेश फोगाट के साथ जो हुआ, वो किसी बुरे सपने से कम नहीं है। मात्र 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण सिर्फ भारत और विनेश की झोली से मेडल नहीं, बल्कि एक धाकड़ पहलवान का मनोबल भी टूट चुका है और उसने कुश्ती को अलविदा कह दिया।

अब हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने घोषणा कर दी है कि भले ही विनेश फोगाट फाइनल नहीं खेल पाईं, लेकिन उन्हें इनाम से लेकर वो सभी सुविधाएं दी जाएंगी, जो एक ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट को दी जाती हैं।

उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, हरियाणा की हमारी बहादुर बेटी विनेश फोगाट ने जबरदस्त प्रदर्शन कर ओलंपिक में फाइनल में प्रवेश किया था। किन्हीं भी कारणों से वो भले ही ओलंपिक का फाइनल नहीं खेल पाई हो, लेकिन हम सबके लिए वो एक चैंपियन है।

विनेश फोगाट के मुद्दे पर राज्यसभा में विपक्ष का हंगामा, सभापति ने छोड़ा आसन

नई दिल्ली/एजेंसी।

गुरुवार को संसद में राज्यसभा की कार्रवाई शुरू होने के कुछ देर बाद ही सदन में जबरदस्त हंगामा शुरू हो गया। हंगामा इस कदर बढ़ा कि सभापति भावुक हो गए और अपने आसन से उठकर चले गए।आसन छोडने़ से पहले सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि मेरे पास केवल एक ही विकल्प है, दुखी मन से, मैं अपनी शपथ से दूर नहीं जा रहा हूं, लेकिन जो आज मैंने देखा है जिस तरह का व्यवहार मेरे साथ किया गया है, शारीरिक रूप से किया गया है, मैं यहां बैठने में अपने आप को सक्षम नहीं पा रहा हूं। इसके बाद भावुक होकर सभापति सदन से चले गए।

दरअसल कांग्रेस समेत विपक्ष के सांसद भारतीय रेसलर विनेश फोगाट का विषय राज्यसभा में उठाना चाहते थे। सदन में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे इस विषय पर बोलने के लिए खड़े भी हुए लेकिन उन्हें इसकी इजाजत नहीं मिली। इसके बाद विपक्षी सांसदों ने सदन में हंगामा शुरू कर दिया।

मल्लिकार्जुन खड़गे का कहना था कि कल भी हमने यह विषय उठाया था, यह बहुत महत्वपूर्ण विषय है। यह किसी एक खास समुदाय से जुड़ा विषय नहीं है। इस बीच तृणमूल कांग्रेस के सांसद डेरेक ओ ब्रॉयन ने नाराजगी जताते हुए आसन की ओर काफी तेज आवाज में अपना विरोध दर्ज करना शुरू किया। इससे आसन पर मौजूद सभापति जगदीप धनखड़ नाराज हो गए। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस के सांसद डेरेक ओ ब्रॉयन पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि आप चिल्ला रहे हैं। सभापति के आसन की ओर आप कैसे चिल्ला सकते हैं। सभापति जगदीप धनखड़ ने कड़ी नाराजगी जताई। सभापति ने उन्हें चेतावनी दी। सभापति ने कहा कि मैं आपके व्यवहार की निंदा करता हूं। आपका व्यवहार सदन में सबसे गंदा है।

इसके साथ ही उन्होंने डेरेक ओ ब्रॉयन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि आप अपने बर्ताव में सुधार नहीं लाए तो अगली बार आपको सदन से बाहर निकाल दिया जाएगा। वहीं अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए पूरे विपक्ष ने सदन का बहिष्कार किया और उठकर बाहर चले गए। तनातनी यहीं समाप्त नहीं हुई। इसके बाद सभापति ने अपनी नाराजगी जताते हुए कहा कि हमने आपातकाल के दौरान लोकतंत्र का काला समय देखा है। सभापति ने कहा कि इन्हें क्या लगता है कि केवल इन्हीं का दिल दुखी है। पूरा देश दुख में है, हमारी लड़की के कारण।

अक्टूबर से पहले जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने की हो सकती है घोषणा : केंद्रीय मंत्री

श्रीनगर/एजेंसी।

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री (एमओएस) रामदास अठावले ने गुरुवार को कहा कि इस साल अक्टूबर से पहले जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने की घोषणा हो सकती है। यहां मीडिया को संबोधित करते हुए, एमओएस ने कहा, केंद्र इस साल अक्टूबर से पहले जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने की घोषणा कर सकता है। अक्टूबर में विधानसभा चुनाव भी हो सकते हैं। अक्टूबर से पहले महाराष्ट्र, झारखंड और हरियाणा में चुनाव

होने हैं। मंत्री ने कहा,मुझे लगता है कि अक्टूबर से पहले राज्य का दर्जा बहाल किया जा सकता है और अक्टूबर में चुनाव भी हो सकते हैं। उन्होंने लोगों से रिकॉर्ड तोड़ मतदान करने की अपील की। उन्होंने दोहराया कि गृह मंत्री ने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के समय घोषणा की थी कि विधानसभा चुनाव और राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा। उन्होंने लोकसभा चुनावों में यहां भारी मतदान और लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए लोगों की सराहना की। उन्होंने कहा कि श्रीनगर में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के साथ उनकी आधे घंटे की बैठक काफी सार्थक रही। केंद्रीय मंत्री ने कहा,अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद से पर्यटन में काफी वृद्धि हुई है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले को लेकर संत समाज चिंतित, कहा- सुरक्षित लाया जाए भारत

भीलवाड़ा/एजेंसी।

बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद से वहां रह रहे हिंदुओं पर हिंसा की घटनाएं सामने आ रही हैं। इसको लेकर भारत में संत समाज काफी चिंतित है। भीलवाड़ा के हरिशेवा उदासीन आश्रम में संत समाज के लोगों ने बांग्लादेश के हालातों को लेकर एक बैठक की। उन्होंने वहां रह रहे हिंदुओं की सुरक्षा की मांग को लेकर शुक्रवार को व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रखने की अपील की है। हरिशेवा धाम के महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन ने कहा, बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद से ही हिंदुओं पर अत्याचार बढ़ रहा है। इसलिए संत व हिंदू संगठनों ने 9 अगस्त शुक्रवार को दोपहर 12 बजे तक व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रखने का आ''ान किया है। हम इस संबंध में एक ज्ञापन राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर को सौपेंगे। हमारी सरकार से यही मांग है कि वहां रह रहे हिंदुओं को सुरक्षित भारत लाया जाए। महामंडलेश्वर ने कहा, भारत एक सनातन और हिंदू देश है। इसलिए बांग्लादेश में हिंसा के शिकार हो रहे हिंदुओं को बचाकर लाना हमारा दायित्व है। अगर भारत में रोहिंग्या या बांग्लादेशी शरणार्थियों का विरोध हो रहा है तो वह सही है, क्योंकि दुनिया में कई मुस्लिम देश हैं। लेकिन, भारत एकलौता हिंदू राष्ट्र है। जहां तक शेख हसीना के भारत में शरण लेने का सवाल है तो वह दूसरे देशों के संपर्क में हैं। बता दें कि हरिशेवा उदासीन आश्रम में हुई इस बैठक में महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन, महंत संत दास महाराज हाथी भाटा, महंत रामदास रामायणी हनुमंत धाम, महंत बलराम दास महाराज और पुजारी मुरारी पांडेय समेत कई लोग मौजूद रहे।

'चीनी' वस्तुएं, भारत छोड़ो

भारतीय बाजारों में जिस प्रकार से चीनी वस्तुओं का आधिपत्य दिखाई दे रहा है, उससे यही लगता है कि देश में एक और भारत छोड़ो आंदोलन की महती आवश्यकता है। यह बात सही है कि आज देश में अंग्रेज नहीं हैं, लेकिन भारत छोड़ो आंदोलन के समय जिस देश भाव का प्रकटीकरण किया गया, आज भी वैसे ही देश भाव के प्रकटीकरण की आवश्यकता दिखाई देने लगी है। हम सभी चीनी वस्तुओं का त्याग करके चीन को सबक सिखा सकते हैं। यह समय की मांग भी है और देश को सुरक्षित करने का तरीका भी है। हम देश की सीमा पर जाकर राष्ट्र की सुरक्षा नहीं कर सकते तो चीनी वस्तुओं का बहिष्कार करके सैनिकों का उत्साह वर्धन तो कर ही सकते हैं। तो क्यों न हम आज ही इस बात का संकल्प लें कि हम जितना भी और जैसे भी हो सकेगा, देश की रक्षा के लिए कुछ न कुछ अवश्य ही करेंगे। भारत को अंग्रेजों की गुलामी से मुक्त कराने के लिए जिन महापुरुषों ने जिस स्वतंत्र भारत की कल्पना की थी, वर्तमान में वह कल्पना धूमिल होती दिखाई दे रही है। महात्मा गांधी ने सीधे तौर पर स्वदेशी वस्तुओं के प्रति देश भाव के प्रकटीकरण करने की बात कही थी, पर क्या यह भाव हमारे विचारों में दिखाई देता है। कदाचित नहीं। वर्तमान में जो राजनीतिक दल महात्मा गांधी के नाम के सहारे जिन्दा हैं। उन राजनीतिक दलों के अंदर देश भाव का अंश दिखाई नहीं देता। देश में जितने भी महापुरुष हुए हैं, सभी ने देश भाव को जन-जन में प्रवाहित किया। इसी के कारण ही अंग्रेज और अंग्रेजी मानसिकता के लोगों को भारत छोड़ने के लिए मजबूर किया गया। सभी महापुरुषों का एक ही ध्येय था कि कैसे भी हो देश में स्वदेशी भावना का विस्तार होना चाहिए, फिर चाहे हमारे दैनिक जीवन में उपयोग आने वाली वस्तुओं का मामला हो या फिर शिक्षा पद्धति का। सभी में स्वदेशी का भाव प्रकट होना चाहिए। वास्तव में देश धर्म क्या होता है, इसे जानना है तो हमें किसी सैनिक से पूछना चाहिए। वह यही जवाब देगा कि देश धर्म का मूल्य प्राण देकर भी नहीं चुकाया जा सकता। इसके लिए सुख सुविधाओं का त्याग करना पड़ेगा। सुविधाओं का त्याग करने वाला समाज ही अपनी और अपने समाज की रक्षा कर सकता है।

आज जाने-अनजाने हमारे घरों में स्वदेशी की जगह विदेशी वस्तुओं ने ले ली है। चीनी वस्तुएं हमारे घरों की शोभा बन रही हैं। जरा सोचिए कि जो देश हमारे देश पर आक्रमण करने की भूमिका में दिखाई दे रहा है, उसी देश का सामान हम अपने घरों में लाकर उसको महत्व दे रहे हैं। हम अपने घर में चीनी सामान को देखकर खुश हो रहे हैं और चीन हमसे ही कमाए गए पैसे के दम पर हमारे देश को आंख दिखा रहा है। वास्तव में देखा जाए तो वर्तमान में हम मतिभ्रम का शिकार हो गए हैं। विदेशी सामान की अच्छाई के बारे में कोई झूठा भी प्रचार कर दे तो हम उस पर विश्वास कर लेते हैं, लेकिन हमें अपने ऊपर विश्वास नहीं। यह बात सत्य है कि भारत एक ऐसा देश है जहां विश्व को भी शिक्षा दी जा सकती है, लेकिन इन सबके लिए हमें अपने अंदर विश्वास जगाना होगा, तभी हम देश का भला कर सकते हैं। जनता अगर एक बार संकल्प कर ले तो वह दिन दूर नहीं, जब हम चीन को पछाड़ सकते हैं। आज चीन द्वारा निर्मित वस्तुओं का पूरी तरह से त्याग करने की आवश्यकता है। बहुत से लोग यह तर्क भी कर सकते हैं कि सरकार चीन की वस्तुओं पर रोक क्यों नहीं लगा देती? इसका एक ही उत्तर है, जब जनता विरोध करेगी तो सरकार को भी बात माननी होगी। हमें पहले इस बात का अध्ययन करना होगा कि हमारा देश गुलामी की जंजीरों में कैसे जकड़ा। इसका सीधा सा जवाब यही होगा कि हमारे देश में अंग्रेजों द्वारा संचालित की जाने वाली ईस्ट इंडिया कंपनी के उत्पादों को खरीदना प्रारंभ कर दिया। उससे स्वावलंबी भारत आर्थिक तौर से परावलंबी होता गया और देश की आर्थिक प्रगति पूरी तरह से अंग्रेजों पर निर्भर हो गई। इसके परिणामस्वरूप हम आर्थिक रूप से परतंत्र हो चुके थे। अब जरा सोचिए कि जब एक विदेशी कंपनी ने भारत को गुलाम बना दिया था, तब आज तो देश में हजारों विदेशी कंपनियां व्यापार कर रही हैं। देश किस दिशा की ओर जा रहा है। हम जानते हैं कि अंग्रेजों की परतंत्रता की जकड़न से मुक्त होने के लिए हमारे देश के महापुरुषों ने 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन का शंखनाद किया। इस आंदोलन के मूल में अंग्रेजों को भारत छोड़ने के लिए मजबूर करना था, इसके साथ ही अंग्रेजियत को भी भारत से भगाने की संकल्पना भी इसमें समाहित थी। इस आंदोलन में जहां विदेशियों के प्रति देश के जनमानस में नकारात्मक भाव जाग्रत हुआ, वहीं स्वदेशी यानी देश भक्ति की भावना का प्रकटीकरण हुआ।

इस आंदोलन के सफल होने के बाद आज यह अनुमान आसानी से लगाया जा सकता है कि देश के नागरिकों में देश भाव कूट-कूट कर भरा हुआ है, लेकिन आज उसे प्रकट करने की महती आवश्यकता है। ऐसे ही आंदोलनों के चलते देश भाव को प्रकट करने के लिए विदेशी वस्तुओं की होली जलाई जाती थी। इसके पीछे एक मात्र उद्देश्य यही था कि भारतीय जन स्वदेशी भाव को हमेशा जागृत रखें और अपने देश में निर्मित सामान का ही उपयोग करें। आज के वातावरण का अध्ययन करने से पता चलता है कि आज सैकड़ों बहुराष्ट्राष्ट्रीय कंपनियां व्यापार के माध्यम से हमारे देश को लूट रहीं हैं। हम अनजाने में विदेशी वस्तुओं को खरीदकर अपने आपको आर्थिक गुलामी की ओर धकेल रहे हैं। इससे ऐसा लगता है कि देश में एक और भारत छोड़ो आंदोलन की आवश्यकता है। जैसा कि हम जानते हैं कि वर्तमान में भारतीय बाजार चीनी वस्तुओं से भरे पड़े हैं। उसे भारतीय लोग खरीद भी रहे हैं, लेकिन क्या हम जानते हैं कि इन वस्तुओं से प्राप्त आय का बहुत बड़ा भाग चीन को आर्थिक संपन्नता प्रदान कर रहा है। भारत के पैसे से जहां चीन आर्थिक समृद्धि प्राप्त कर रहा है, वहीं भारत कमजोर होता जा रहा है। यह सारा काम भारत की ऐसी जनता कर रही है, जो अपने आप को प्रबुद्ध कहती है। वर्तमान में हम सभी का एक ही उद्देश्य होना चाहिए, चीनी वस्तुएं भारत छोड़ो। इसके लिए जिस प्रकार से जनांदोलन खड़ा करके अंग्रेजों को देश से बाहर किया, उसी प्रकार से देशवासियों को चाहिए कि चीनी वस्तुओं का बहिष्कार कर उन्हें देश से बाहर करें।

जादुई संसार रचने वाली पुस्तकें सच्ची मित्र होती है

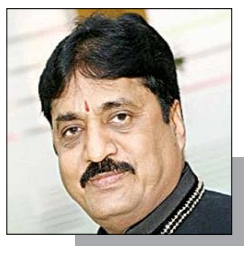

ललित गर्ग

इंसान की ज़िंदगी विचारों का सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान है। वैचारिक क्रांति एवं विचारों की जंग में पुस्तकें सबसे बड़ा हथियार है। जिसके लिए न तो कोई लाइसेंस लेना है, न ही इसके लिए किसी नियम-×कायदे से गुज़रना है, लेकिन यह हथियार जिसके पास हैं, वह ज़िंदगी की जंग हारेगा नहीं। जब लड़ाई वैचारिक हो तो किताबें हथियार का काम करती हैं। पुस्तक का इतिहास शानदार और परम्परा भव्य रही है। पुस्तकें मनुष्य की सच्ची मार्गदर्शक हैं। पुस्तकें सिर्फ जानकारी और मनोरंजन ही नहीं देती बल्कि हमारे दिमाग को चुस्त-दुरुस्त रखती हैं। आज डिजिटलीकरण के समय भले ही पुस्तकों की उपादेयता एवं अस्तित्व पर प्रश्न उठ रहा हो लेकिन समाज में पुस्तकें हर दौर में प्रासंगिक बनी रहेगी। पुस्तके मनुष्य जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है और पुस्तक-प्रेम के कारण ही प्रतिवर्ष 9 अगस्त को राष्ट्रीय पुस्तक प्रेमी दिवस मनाया जाता है, यह दिन उन लोगों के लिए है जो किताबों और पढ़ाई के बिना नहीं रह सकते।

लोग किताबों से इसलिए प्यार करते हैं क्योंकि उनमें अपार संभावनाएं होती हैं। वे आपको कल्पना की एक नई दुनिया में ले जा सकती हैं। वे आपके जीवन की समस्याओं और बोझ से बचने और भावनाओं के गहन सागर में खो जाने का एक तरीका हैं। पुस्तक न केवल शिक्षा बल्कि जीवन-विकास का कभी न खत्म होने वाला स्रोत हैं। वे अतीत की यादें संजोकर रखती हैं क्योंकि पुस्तकें हमें अतीत से साक्षात्कार कराने का सशक्त माध्यम है। निश्चित ही किताबें जादुई होती हैं। पुस्तकें वैचारिक जंग के साथ-साथ जीवन-जंग को जीतने का सक्षम आधार है। आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने पुस्तकों के महत्व पर लिखा है कि तोप, तीर, तलवार में जो शक्ति नहीं होती, वह शक्ति पुस्तकों में रहती है। तलवार आदि के बल पर तो हम केवल दूसरों का शरीर ही जीत सकते हैं, किंतु मन को नहीं। लेकिन पुस्तकों की शक्ति के बल पर हम दूसरों के मन और हृदय को जीत सकते हैं। ऐसी जीत ही सच्ची और स्थायी हुआ करती है, केवल शरीर की जीत नहीं!

रेडियो पर अपने मन की बात के जरिये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिन्दी के अमर कथाकार मुंशी प्रेमचन्द का उल्लेख करते हुए लोगों से अपने दैनिक जीवन में किताबें पढ़ने की आदत डालने का आ''ान किया। साथ ही उपहार में 'बुके नहीं बुक' यानी किताब देने की बात कही। पुस्तक-संस्कृति को जनजीवन में प्रतिष्ठापित करने की दृष्टि से उनकी यह एक नयी प्रेरणा, झकझोरने एवं सार्थक दिशाओं की ओर अग्रसर करने की मुहिम बनी है। जिससे नया भारत निर्मित होगा एवं पढ़ने की कम होती रूचि पर विराम लगेगा। पुस्तक एवं पुस्तकालय क्रांति के नये दौर का सूत्रपाठ होगा। मोदी ने प्रेमचन्द की तीन मशहूर कहानियों ईदगाह, नशा और पूस की रात का जिक्र

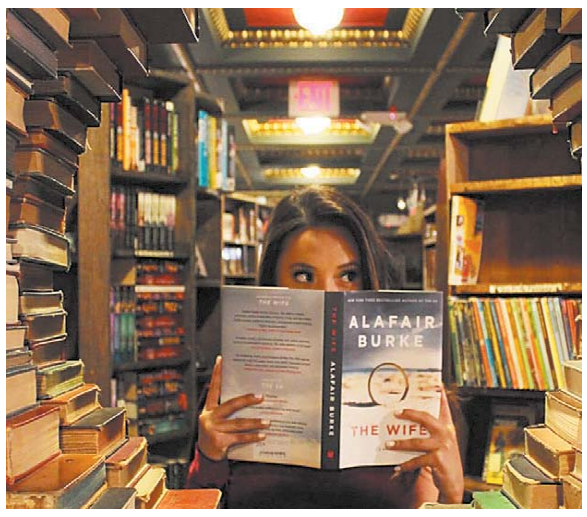

किया और उन कहानियों में व्यक्त संवेदना की भी चर्चा की। निश्चित ही इससे देश में संवेदनहीनता एवं संवादहीनता की खाई को भरा जा सकेगा।

भारत सरकार द्वारा एक करोड़ का गांधी शांति पुरस्कार सौ साल से सनातन संस्कृति की संवाहक एवं पुस्तकों का सुन्दर संसार निर्मित करने के लिये गीता प्रेस, गोरखपुर को दिया गया था। 1800 पुस्तकों की अब तक 92 करोड़ से अधिक प्रतियां प्रकाशित करने वाले गीता प्रेस को इस पुरस्कार के लिये चुना जाना एक सराहनीय एवं सूझबूझभरा उपक्रम होने के साथ पुस्तक-प्रेम को बल देने का सराहनीय प्रयास है। क्योंकि गीता प्रेस की पुस्तकें भारतीय सनातनी घरों के जीवन का हिस्सा है। वस्तुतः पुस्तकें सचमुच हमारी मित्र हैं। वे अपना अमृतकोश सदा हम पर न्यौछावर करने को तैयार रहती हैं। उनमें छिपी अनुभव की बातें हमारा मार्गदर्शन करती हैं। हमारे मन में उठ रहे सवालों का जवाब पाने के लिए पुस्तकों से बेहतर ज़रिया कोई भी नहीं। तब भी जब हमारे आस-पास कोई नहीं है, हम अकेले हैं, उदास हैं, परेशान हैं, किताबें हमारी सच्ची दोस्त बनकर हमें सहारा देती हैं। पुस्तकों का महत्व एवं क्षेत्र सार्वकालिक, सार्वभौमिक एवं सार्वदैशिक है। जहां तक जीवन की पहुंच है, वहां तक पुस्तकों का क्षेत्र है। पुस्तकों की यही कसौटी बताई गयी है कि वे जीवन से उत्पन्न होकर सीधे मानव जीवन को प्रभावित करती है।

पुस्तकों का आविष्कार उन भारी पत्थरों की जगह लेने के लिए किया गया था जहाँ मूल रूप से पाठ और चित्र उकेरे जाते थे, क्योंकि कई लोगों को उन्हें ले जाने में कठिनाई होती थी। पहली किताबें चर्मपत्र या बछड़े की खाल से बनी होती थीं और उनका कवर लकड़ी से बना होता था जिसे चमड़े में लपेटा जाता था। पहले के दिनों में किताबें बड़ी होती थीं और महंगे चमड़े से बंधी होती थीं। इसलिए, केवल अमीर लोग ही उन्हें खरीद सकते थे। उन्नीसवीं सदी के पहले भाग में औद्योगिक क्रांति के साथ और प्रिंटिंग प्रेस, पल्प पेपर मिलों और मैकेनिकल टाइपसेटिंग की व्यापक उपलब्धता के साथ, सस्ती पेपरबैक किताबें प्रकाशित और वितरित की जाने लगीं। इस प्रकार, यह न केवल आम लोगों के लिए सस्ती थी, बल्कि इसे ले जाना भी आसान था। पुस्तकें पढ़ने का कोई एक लाभ नहीं होता।

पुस्तकें मानसिक रूप से मजबूत बनाती हैं तथा सोचने समझने के दायरे को बढ़ाती हैं। पुस्तकें नई दुनिया के द्वार खोलती हैं, दुनिया का अच्छा और बुरा चेहरा बताती, अच्छे बुरे की तमीज पैदा करती हैं, हर इंसान के अंदर सवाल पैदा करती हैं और उसे मानवता एवं मानव-मूल्यों की ओर ले जाती हैं। मनुष्य के अंदर मानवीय मूल्यों के भंडार में वृद्धि करने में पुस्तकों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। ये पुस्तकें ही हैं जो बताती हैं कि विरोध करना क्यूँ जरूरी है। ये ही व्यवस्था विरोधी भी बनाती हैं तो समाज निर्माण की प्रेरणा देती है। समाज में कितनी ही बुराइयां व्याप्त हैं उनसे लड़ने और उनको खत्म करने का काम पुस्तकें ही करवाती हैं। शायद ये पुस्तकें ही हैं जिन्हें पढ़कर स्वामी विवेकानन्द, महात्मा गांधी, आचार्य तुलसी एवं नरेन्द्र मोदी दुनिया की एक महाशक्ति बने हैं। वे स्वयं तो महाशक्ति बने ही है, अपने देश के हर नागरिक को शक्तिशाली बनाया या बनाना चाहते हैं, इसीलिये उन्होंने देश भर में एक पुस्तक-पठन तथा पुस्तकालय आंदोलन का आ''ान किया है, जिससे न सिर्फ लोग साक्षर होंगे, बल्कि सामाजिक व आर्थिक बदलाव भी आएगा। पुस्तकों से ही आदर्श समाज की संरचना हो सकती है। लोकमान्य गंगाधर तिलक ने कहा था कि यदि कोई मुझे सम्राट बनने के लिये कहे और साथ ही यह शर्त रखे कि तुम पुस्तकें नहीं पढ़ सकोगे तो मैं राज्य को तिलांजलि दे दूंगा और गरीब रहकर ही साहित्य पढ़ूंगा।' यह पुस्तकीय सत्य नहीं, अनुभूति का सत्य है। अतः साहित्य के महत्व को वही आंक सकता है, जो उसका पारायण करता है। अमरीकी राष्ट्रपति अब्राहिम लिंकन कहते थे, ''मेरा सबसे अच्छा मित्र वह है जो मुझे ऐसी किताब दे, जो मैंने पढ़ी न हो।'' भले ही आज के इंटरनैट फ्रैंडली वर्ल्ड में सीखने के लिए सब कुछ इंटरनैट पर मौजूद है लेकिन इन सब के बावजूद जीवन में पुस्तकों का महत्व आज भी बरकरार है क्योंकि पुस्तकें बचपन से लेकर बुढ़ापे तक हमारे सच्चे दोस्त का हर फर्ज अदा करती आई हैं। उन्नत एवं सफल जीवन के लिये पुस्तकों के पठन-पाठन की संस्कृति को जीवंत करना वर्तमान समय की बड़ी जरूरत है।

क्योंकि पुस्तकों में तोप, टैंक और एटम से भी कई गुणा अधिक ताकत होती है। अणुअस्त्र की शक्ति का उपयोग ध्वंसात्मक ही होता है, पर सत्साहित्य मानव-मूल्यों में आस्था पैदा करके स्वस्थ समाज की संरचना करती है। पुस्तकें समाज एवं राष्ट्र रूपी शरीर की मस्तिष्क होती है, जिनसे हमारी रूचि जागे, आध्यात्मिक एवं मानसिक तृप्ति मिले, हममें शक्ति एवं गति पैदा हो, हमारा सौन्दर्यप्रेम एवं स्वाधीनता का भाव जागृत हो, जीवन की सच्चाइयों का प्रकाश उपलब्ध हो, जो हममें सच्चा संकल्प और कठिनाइयों पर विजय पाने की सच्ची दृढ़ता उत्पन्न करें।

आदिवासियों के अस्तित्व को बचाने के लिए गंभीर प्रयास जरूरी

अंजनी शरण

झारखंड में एक बड़ी आदिवासी आबादी है, जिसमें संथाल, मुंडा और ओरांव जैसी विभिन्न जनजातियां हैं, जिनकी अपनी अलग संस्कृति और परंपराएं हैं। झारखंड की डेमोग्राफी में जो सबसे महत्वपूर्ण बदलाव सबसे पहले दिखा वह 18 वी सदी में संथाल के आगमन से राजमहल के आसपास हुआ। झारखंड बैद्यनाथधाम, पारसनाथ, देवरी और रजरप्पा सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों का घर है, तो लगे हाथ ईसाई मिशनरी और बांग्लादेशी घुसपैठ धार्मिक जनसांख्यिकी के नए संकेत देता है।

झारखण्ड के जनसांख्यिकीय परिवर्तनों को निम्नलिखित पहलुओं में देखा जा सकता है, उल्लेखनीय वृद्धि दर के साथ झारखंड जनसंख्या के हिसाब से 14वां सबसे बड़ा राज्य है। खनिज संसाधनों से समृद्ध होने के बावजूद, 39.1 प्रतिशत आबादी गरीबी रेखा से नीचे रहती है और यह एक बड़ा कारण है धर्मांतरण, पलायन और अंतर्जातीय विवाह जैसी घटना यहां आम है। आजादी के बाद से ईसाई मिशनरियों ने जिस तरह से धीरे-धीरे अपनी पैठ समस्त झारखंड और विशेषकर संथाल परगना में बनाया, धर्म आधारित जनगणना के आंकड़े जरूर बदले पर ये लोग झारखंड के आदिवासी ही है और इसलिए जनसंखियिकी में इसे बदलाव नहीं माना जा सकता। बेहतर आर्थिक अवसरों की तलाश में ग्रामीण से

शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ झारखंड से अन्य राज्यों में प्रवास की प्रवृत्ति है जिसकी वजह से मतदाता सूची में दर्ज एक बड़ा जनसमूह अब इस सूची से नदारद है।

पाकुड़ और मालदा के बीच इलाका बंगलदेश की सीमा से काफी नजदीक है और सिर्फ एक नदी से बंटा हुआ है। बांग्लादेश में आबादी का घनत्व और प्रति व्यक्ति आय, शिक्षा, संसाधन और ऐसे संघर्ष की वजह से भारत का ओर पलायन पिछले दशकों से लगातार जारी है। इस्लाम जनसांख्यिकी को लेकर संवेदनशील रहा है और यही वजह है की मुसाफिरखानों में ऐसे घुसपैठियों को आसरा मिल जाया करता और बाद में राशन कार्ड और वोटर कार्ड उन्हे स्थायित्व दे देता। मुस्लिम आबादी वाली बस्ती में रहन सहन और किसी प्रवासी का वासोवास के लिए वहीं बस जाना एक आसान उपक्रम रहा है।

संथाल जनसंख्या में शराब परम्परा से आगे बढ़कर कब विकृत हुआ और पुरुषों के असामयिक मौत तथा मजदूरी के लिए प्रवास ने गैर आदिवासियों को संथाल महिलाओं से वैवाहिक अवसर दे दिया जिसमे सिर्फ मुस्लिम नही थे। सरकार या स्थानीय राजनीति इससे अनभिज्ञ नहीं थी लेकिन राजनीति का दुष्प्रेरण परोक्ष रूप से इसका समर्थन करता गया और जनसंख्यिकी का कोई बदलाव दूसरी तीसरी पीढ़ी आते आते विस्फोट करता है, ताजा मतदाता सूची इसी विस्फोट का एक नजारा है। उच्च जन्म दर और एक से अधिक विवाह, गर्भ निरोधक की वर्जना ने इसे विकराल बना दिया है। सरकारी तंत्र और आंतरिक सुरक्षा को समर्पित संस्थान द्वारा बांग्लादेशी आमद को स्वीकार करते गोपनीय पत्र सोसल मीडिया पर देखे गए हैं, हालांकि इसका सत्यापन नही है मेरे पास लेकिन अगर यह सत्य है तो समाधान ढूंढते हुए वजहों की जड़ तक पहुंचना जरूरी होगा।

सरल गणितीय आंकड़ों को समझे तो संथाल के जिले जिनमे मुख्य रूप से पाकुड़ और साहेबगंज जहां बांग्लादेशी आमद अधिक हुई है सिर्फ पच्चीस वर्षों में 35 प्रतिशत मुस्लिम आबादी के साथ मुस्लिम जिले बन जायेंगे। पाकुड़ से सटी सीमा के पास कालियाचक की घटना को एक दशक पूरा नहीं हुआ और ऐसी घटनाएं अब पाकुड़ में होने लगी हैं और यह क्रम 10 वर्षो के अंदर दर्जन भर और प्रखंड है जहां एक आम घटना हो जायेगी। स्थानीय सांसद ने जिस तरह से यह प्रश्न सदन में खड़ा किया है, झारखंड में सत्तारूढ़ दल भी राजनीति से अलग संताल अस्तित्व की गंभीर फिक्र में शामिल हो तो निश्चय हल ढूंढा जा सकता है। सिर्फ जिजीविषा की अपेक्षा है।

झारखंड का आदिवासी समाज और उसकी सामाजिक, राजनीतिक चेतना

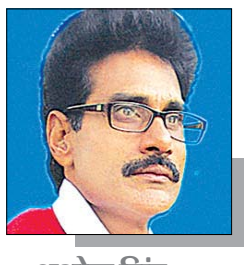

अशोक सिंह

झारखंड की जनता विशेषकर आदिवासी समुदाय जन राजनीति के लिए हर बार यहाँ आवाज उठाता रहा है। खास कर विकास के सवाल को लेकर उसने वर्तमान राजनीति के तौर तरीकों के खिलाफ अपना आक्रोश जाहिर किया है और स्वशासन के माध्यम से उसने बताया है कि जनतंत्र का वास्तविक अर्थ जनता की वह सत्ता है जो कि गरीब से गरीब को निर्णय करने का अधिकार देती है। इस अधिकार से ही जुड़ा है संसाधनों पर हक की मांग। झारखण्ड के लोग महसूस करते हैं कि उनका खराब वक्त तभी से आया जब से संसाधनों पर से हक छीन लिया गया। संसाधनों पर से हक का छीन जाना एक राजनीतिक कार्रवाई थी, जिसे शासकों ने यहाँ के लोगों की प्रतिरोध चेतना को कुंद करने के लिए किया। शासक मानते थे कि झारखण्ड को लड़ कर नहीं जीता जा सकता लेकिन राहतों का भ्रम पैदा कर यहां हुकूमत किया जा सकता है। अंग्रेजों ने पूरी चालाकी के साथ अपना यह इरादा अपनाया और कामयाब हुए। आजादी केबाद के शासकों ने झारखंड स्वयत्तता की मांग को देखते हुए ऐसा ही खेला और झारखण्ड की स्थापना के बाद भी यहां की जनता को न केवल कमजोर किया बल्कि उनकी एकता को भी तोड़ने का षड्यंत्र किया और सफलता भी पाई। देखा जा सकता है कि झारखण्ड में ऐसे कानून बनाए गए जो यहां की प्रकृति और सांस्कृतिक मान्यताओं से मेल नहीं खाते और विकास के नाम पर विस्थापन का आतंक पैदा कर दिया गया। झारखण्ड की जनता को बचाव के संघर्ष में उलझा दिया गया। झारखण्ड के वास्तविक इतिहास की रचना के बीच आत्मविश्वास कमजोर हुआ।

झारखण्ड की जनता के साथ यह खेल बिरसा उलगुलान के बाद से ही किया जाता रहा। लेकिन हर बार यह देखा गया है कि जनता अपने बीच से नए इतिहास प्रतीकों को खोज लेती है और संघर्ष को तेज कर देती है। आजादी के संघर्ष के समय ही जब आदिवासी पहचान का सवाल उठाया गया तो उनकी कम आलोचना नहीं हुई। यहां तक कहा गया कि इससे अंग्रेज ही मजबूत हो रहे हैं। वास्तव में पहचान के सवाल को पूरी गंभीरता के साथ देखने समझने का नजरिया ही विकसित नहीं हुआ था लेकिन तमाम कोशिशों के बाद भी यह आंदोलन कमजोर नहीं हुआ और झारखंड की जनता ने न केवल अपनी पहचान के सवाल को महत्वपूर्ण बना दिया बल्कि आजादी मिलने तक यह सवाल देश के ऐजेंडा का हिस्सा बन गया। संविधान सभा ने इस बात को स्वीकार किया कि आदिवायियों के सवाल कुछ अलग हैं और उनके विकास के लिए खास व्यवस्था की जरूरत है। यह भी कहा गया कि आदिवासी प्रशासन की परंपराओं को नकारा नहीं जा सकाता। इन स्वीकृतियों के बाद भी आदिवासियों को उनका वास्तविक हक नहीं मिला। उनकी आकांक्षा के साथ इंसाफ नहीं किया जा सका और आदिवासी विकास को विनाशकारी परिणामों की बलिवेदी पर चढ़ा दिया गया। विकास की नीति परंपरागत जरूरतों के अनुरूप नहीं बनाए गए। आदिवासियों को उस बाजार के हवाले कर दिया गया जिसका आधार ही मोलतोल है जबकि यह तो सब जानते हैं कि आदिवासी परंपरा और उनके जीवन व्यवहार में मोलतोल का कोई स्थान नहीं है। जब से नई आर्थिक नीति आई है बाजार का हमलाकारी रूख आदिवासी समाज पर है। आदिवासियों की विरासतों के साथ ज्यादा खेल किया जा रहा है और यह बताने की कोशिश की जा रही है कि आदिवासी समाज अपनी रक्षा स्वयं नहीं कर सकता। आदिवासी क्षेत्र के संसाधनों को लूटने की नीयत से इतिहास के

मिथकों की रचना की जा रही है और आदिवासियों की सामाजिकता को व्यक्तिवाद में बदलने की साजिश की जा रही है। आदिवासी जिस तरह जंगल और जमीन के बिना खानाबदोश हो जाते हैं उसी तरह वह अपने ऐतिहासिक प्रतीकों से कट कर सदा के लिए खत्म हो जाता है । दुनिया के कुछ कथित विकसित देशों में यह देखा जा सकता है। यही कारण है कि आज का आदिवासी समाज अपनी परंपरा को ज्यादा याद करता है और उन हमलों के खिलाफ उठ खड़ा होना चाहता है, जिसने उसकी सामूहिकता को ही नष्ट कर दिया है। या करने का तरीका ईजाद कर दिया है। आदिवासी जनराजनीति की बुनियाद उस जनतंत्र की स्थापना है जिसमें व्यक्ति से ज्यादा समूह का स्थान होगा। इसे स्थापित करने के लिए आदिवासियों को अपनी उस इतिहास चेतना को फिर से स्थापित करना होगा जो कि उपनिवेशकालीन और बाद में आंतरिक उपनिवेशवादी संस्कृतिकरण के शिकार हो गए हैं।

आदिवासी राजनीति के सामने अनेक गंभीर सवाल हैं। झारखण्ड की विविधता को उसे बचाना है तो दूसरी और उसे यह भी साबित करना है कि आज की नैतिकता की तुलना में उनकी सामाजिक नैतिकता कहीं ज्यादा कारगर है, जिससे आज की चुनौती का सामना किया जा सकता है। झारखण्ड के सामने यह भी चुनौती है कि आज की बाजार अर्थव्यवस्था के फांस को वह तोड़ दे और एक ऐसी नीति का निर्माण करे जिससे जनता की ताकत और निर्णयकारी प्रवृति स्पष्ट दिखे। समानता की अपनी विरासत पर आदिवासी समाज गर्व कर सकता है लेकिन उसे आज के अनुकूल ऐसी समानता की भी स्थापना करनी है जिसमें स्त्रियाँ अपने अधिकारों के साथ समाज और सत्ता का संचालन कर सके। आदिवासी इतिहास के यही सबक हैं और इन्हें कारगर हथियार बना कर ही झारखण्डी चेतना की बात को स्थापित किया जा सकता है। यह इसलिए भी जरूरी है कि हर किस्म के राजनीतिक दल बिना झारखंड की बात किए इस क्षेत्र में सफल नहीं हो सकते। उन लोगों ने इस राग को अलापना भी शुरू कर दिया है। लेकिन जनता ही बता सकती है कि झारखण्ड का सवाल केवल राजनीतिक सौदाबाजी नहीं बल्कि जीवनपद्धति है और इसे अपनाने के लिए दलों को अपना एजेंडा भी बदलना होगा।

लोकतंत्र का वर्त्तमान ढांचा जनप्रतिनिधि पर जननियंत्रण का कोई भी तरीका विकसित नहीं कर पाया और इस कारण जनता के प्रति जो जिम्मेदारी राजनीतिक दलो में होनी चाहिए वह नहीं दिखती है। इसलिए झारखण्ड में भी सांप्रदायिकता का जादू चल जाता है। जबकि हर कोई यह स्वभाव जीता है कि झारखण्ड का मतलब ही है मेलजोल है और प्रकृति अराधना की इस धरती पर सांप्रदायिकता की राजनीति के लिए कोई स्थान नहीं है। यह सच्चाई है कि आजादी के बाद आ कर बसे हुए लोगों ने सांप्रदायिकता की राजनीति को यहां स्थापित करने का प्रयास किया और इसमें स्थानीय जनों को भी शामिल कर लिया लेकिन स्थानीय लोगों की इस भागीदारी के पहले उनकी सांस्कृतिक विरासतों के बारे में गलत मिथक बनाए गए। उसके आधार पर सांस्कृतिक खासियत के सवाल को गौण कर दिया गया। यह काम करने वाले लोगों ने इतिहास की आदिवासी अवधारणा के साथ पूरा खिलवाड़ किया और आदिवासी पहचान के सवाल को भी गौण किया। ऐसा किए बिना ऐसा खिलवाड़ संभव ही नहीं था। लेकिन आदिवासी जनता ने इस भ्रम को जल्द ही पहचानने का काम किया। खास कर विस्थापन विरोधी आंदोलनों ने आदिवासी चेतना की परंपरा को कुंद होने से बचाने का काम किया और उन्हें अपने को बचाए रखने के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा से भी भर दिया।

आदिवासी समाज को ले कर बाहर की दुनिया के भी भ्रम टूटे हैं और एक बड़ी बात यह हुई है कि ऐसे ही समूहों की ओर से बात की जाने लगी है कि वर्तमान समस्याओं से देश और समाज ही नहीं दुनिया को केवल आदिवासी परंपरा ही बचा सकती है। जब यह बात की जाती हैं तब आदिवासियों को सतर्क रहने की जरूरत है क्योंकि ज्यादातर मौखिक परंपरा और इतिहास चेतना के कारण यह खतरा बना ही रहता है कि आदिवासियों की वास्तविक चेतना को बा' तत्व अपने अनुकूल बना ले सकते हैं या ऐसी व्याख्या कर सकते हैं जिससे संस्कृति का मूल स्वरूप ही प्रभावित हो जाए। शोषण करने का यह भी एक तरीका है कि समाज अपने में ही दिग्भ्रम का शिकार हो जाए। आदिवासी समाज को जागना होगा ताकि उनके इतिहास के साथ कोई भी खिलवाड़ नहीं किया जा सके। आदिवासी परंपरा के बारे में भी कुछ थोपा नहीं जा सके। अंग्रेज इतिहासकारों ने तो आदिवासी इतिहास की बुनियाद को ही बदल दिया है और मानव शास्त्रियों के अध्ययन में भी देशज बोध का अभाव है। ऐसी हालत में केवल मौखिक परंपरा के आधार पर ही आदिवासी जनतंत्र की निरंतरता को समझा जा सकता है और इंसाफपसंद नई दुनिया में यात्रा की जा सकती है। बार-बार यह बात दुहराना होगा कि आदिवासियों के प्रतिरोध आंदोलन केवल क्षणिक विद्रोह नहीं थे बल्कि उसमें परंपरा के आधार पर अपनी स्वयत्तता को बहाल करने का इरादा था। यह इरादा इतना मजबूत था कि तमाम बौद्धिक हमलों के बाद भी आदिवासी स्वाभिमान को पूरी तरह कुचला नहीं जा सका। आदिवासी सामूहिकता खत्म नहीं की जा सकी और स्त्री-पुरूष बराबरी को भी खत्म नहीं किया जा सका। आदिवासी समाज ने पूरी ताकत के साथ सामंतवादी होने से अपने को बचाया और वह बराबरी वाले समाजतंत्र के लिए अब भी संघर्ष कर रहा है।

संक्षिप्त समाचार

नीता अंबानी ने इंडिया-हाउस में भारतीय एथलीट्स का स्वागत किया

चमकता राजस्थान। पेरिस। ओलंपिक में भारत के लिए पदक जीतने वाली निशानेबाज मनु भाकर और स्वप्निल कुसाले समेत कई भारतीय एथलीट्स ने इंडिया हाउस में भारतीयता का उत्सव मनाया। रिलायंस फाउंडेशन की फाउंडर और चेयरपर्सन नीता अंबानी ने खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए उनका हौसला बढ़ाया।

इस मौके पर बैडमिंटन प्लेयर लक्ष्य सेन, मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन, स्कीट निशानेबाज महेश्वरी चौहान, अनंतजीत सिंह नरूका, निशानेबाज ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, अंजुम मोदगिल, सिफत कौर समरा, ईशा सिंह, रायजा ढिल्लों, अनीश भानवाला, विजयवीर सिद्धू, मुक्केबाज निशांत देव और एथलेटिक्स टीम के अक्षदीप सिंह, परमजीत सिंह बिष्ट, विकास सिंह, तजिंदरपाल सिंह तूर, अंकिता ध्यानी, जेसविन एल्ड्रिन और पारुल चौधरी उपस्थित रहे।

नीता अंबानी ने मनु भाकर को प्रेरणास्त्रोत बताते हुए कहा, ₹पिछले हफ़्ते पेरिस में हरियाणा के एक गांव की 22 वर्षीय लड़की ने इतिहास रच दिया और दुनिया को अपने सपनों, जुनून और कड़ी मेहनत की ताकत दिखाई। वह एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनीं।आपकी उपलब्धियों से हर भारतीय प्रेरित है और भारत की हर लड़की सशक्त महसूस करती है।₹ उन्होंने आगे कहा, ''पदक और रिकॉर्ड से परे, खेल मानवीय जज्बे, चरित्र और कड़ी मेहनत का प्रतीक हैं। हमारे एथलीट्स ने पेरिस में यही जज्बा दिखाया है। कार्यक्रम में एथलीट्स ने भारतीय भोजन का भी आनंद लिया।

पंचायत लवेरा में लगाये पौधे

चमकता राजस्थान/रघुनंदन पारीक /श्रीनगर। नसीराबाद राजस्थान को हरा भरा बनाने के लिए लगाए पौधे समाजसेवी महेंद्र गुर्जर ने वितरित किए पौधे 300 ग्राम पंचायत लवेरा मैं राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय लवेरा में लगाए पौधे आशापुरा चर्च में लगाए पौधे राजकीय उच्च विद्यालय आयुर्वेदिक चिकित्सालय में लगाए पौधे समाजसेवी महेंद्र गुर्जर का ग्रामीणों ने किया अभिनंदन पुखराज कोली, जगदीश गुर्जर, देवेन्द्र गुर्जर, गिरधारी पटेल, तेजाराम खटाणा, सत्यनारायण पटेल, राजू गुर्जर, शैतान गुर्जर, सेतु गुर्जर, धनराज भगवान आदि मौजूद रहे।

हन्तरा में पानी निकासी की मांग को लेकर तीन युवक चढ़े टंकी पर

- करीब तीन घण्टे बाद तहसीलदार व पुलिस ने समझाइस कर नीचे उतारा

चमकता राजस्थान। नदबई (राजवीर सिंह)। लखनपुर थाना क्षेत्र के गांव हंतरा के जोगी रास्ते पर बारिश का पानी जमा होने व घरों में जमा बारिश का पानी निकासी की मांग करते हुए हंतरा निवासी तीन युवक पानी की टंकी पर चढ़ गए। पानी टंकी पर चढने् की सूचना पर पुलिस व प्रशासन में हड़कंप मच गया। सूचना पर लखनपुर थाना प्रभारी जीतेन्द्र सिंह ने मौके पर समझाइस कर तीनों युवक को नीचे उतारने का प्रयास किया। लेकिन, युवक पानी निकासी नही होने तक नीचे नही उतरने की जिद पर अड़ गए। बाद में तहसीलदार कैलाश गौतम ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों से समझाइस की। वही, ग्राम पंचायत के सहयोग से मौके पर ही पंप की सहायता से पानी निकासी होने पर करीब तीन घण्टे बाद तीनों युवक को नीचे उतारा। ग्रामीणों का आरोप है कि, जोगी रास्ते पर पानी जमा होने की समस्या को लेकर कई बार विभागीय अधिकारी व ग्राम पंचायत को अवगत कराया। लेकिन, समस्या का समाधान नही हुआ। जिसके चलते युवकों ने पानी पर चढ़कर नाराजगी जताई।

'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत घर-घर में फहराएं तिरंगा

चमकता राजस्थान

जयपुर,08 अगस्त। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुसार स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रदेश में उत्सव का माहौल बने और प्रदेशवासियों में गर्व की भावना का संचार हो, इसके लिए 13 से 15 अगस्त तक 'हर घर तिरंगा अभियान' आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस वर्ष अभियान को पहले से और बेहतर रूप में क्रियान्वित किया जाएगा।

पंत गुरुवार को शासन सचिवालय में आयोजित 'हर घर तिरंगा अभियान' की तैयारियों के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के तहत प्रारम्भ हुआ 'हर घर तिरंगा अभियान' प्रत्येक देशवासी को देश के प्रति अपने प्रेम को दर्शाने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान के तहत प्रदेश भर में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार तिरंगा यात्रा, तिरंगा रैली, तिरंगा दौड़ एवं मैराथन, तिरंगा कॉन्सर्ट्स, तिरंगा कैनवास, तिरंगा प्लेज, तिरंगा सेल्फी, तिरंगा ट्रिब्यूट एवं तिरंगा मेलों का आयोजन किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को अभियान की तैयारियों की नियमित मोनिटरिंग करने के निर्देश दिये।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में अभियान के तहत संभाग से लेकर ग्राम पंचायत स्तर तक कार्यक्रमों के सफल आयोजन के लिए संबंधित विभागों के अधिकारी आपसी समन्वय से कार्य करें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप प्रदेश में हर घर, हर सरकारी दफ्तर, हर गली, हर नुक्कड़ तक तिरंगा अपनी शान में लहराए, इसके लिए सम्बंधित अधिकारी झंडों की पर्याप्त व्यवस्था को सुनिश्चित करें। पंत ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी मन की बात में इस अभियान को तिरंगे की शान में एक शानदार उत्सव बताते हुए इसे जन-जन को एक दूसरे से जोड़ने का माध्यम बताया है। उन्होंने तिरंगा रैली में बाइक, कार एवं साइकिल के साथ ही ग्रामीण स्थानों पर ट्रेक्टर शामिल करने तथा कार्यक्रमों की संपूर्ण व्यवस्था मौसम को ध्यान में रखकर करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने कहा कि कार्यक्रमों में विधार्थियों की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित की जाए तथा सोशल मीडिया पर तिरंगा सेल्फी के लिए भी आमजन और युवाओं को जागरूक किया जाए। उन्होंने अभियान से ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ने के लिए वृहद स्तर पर प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिये। उन्होंने हरियालो राजस्थान अभियान के सफल आयोजन के लिए सभी अधिकारियों को बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने हरियाली तीज पर प्रदेश में 2 करोड़ से अधिक पौधारोपण का कीर्तिमान स्थापित कर मिसाल पेश की है।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव,ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव, गृह विभाग आनंद कुमार, प्रमुख शासन सचिव, सार्वजानिक निर्माण विभाग प्रवीण गुप्ता सहित अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में प्रभारी सचिव, संभागीय आयुक्त एवं समस्त जिला कलक्टर ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से हिस्सा लिया।

जार का संभागीय अधिवेशन भवानी मंडी में आज

एनयूजेआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष रासबिहारी व महासचिव प्रदीप तिवारी के मुख्य के आतिथ्य में होगा आयोजन

चमकता राजस्थान

भवानी मंडी। राजस्थान के सबसे प्रतिष्ठित व प्रमाणिक पत्रकार संगठन जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान(जार) का 10 अगस्त शनिवार को भवानी मंडी के जैन बोर्डिंग परिसर में हाड़ौती सम्भाग का अधिवेशन आयोजित होगा। जार प्रदेश उपाध्यक्ष भवँर सिंह कछवाहा ने बताया कि इस आयोजन में सम्भाग के साथ देश के कई बड़े पत्रकार शिरकत करेंगे। कछवाहा ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता एनयूजे आई के राष्ट्रीय अध्यक्ष रासबिहारी करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक कालूराम मेघवाल होंगे। साथ ही कार्यक्रम में एनयूजे आई के राष्ट्रीय महासचिव प्रदीप तिवारी,जार के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व एनयूजे के राष्ट्रीय सदस्य राकेश शर्मा, संजय सैनी, जार प्रदेश अध्यक्ष सुभाष शर्मा,महासचिव भागसिंह सहित कई पत्रकार और समाजसेवी इस आयोजन में शामिल होंगे।

अधिवेशन में पत्रकार हितों के मुद्दों पर चर्चा होगी।

वहीं जार जिलाध्यक्ष दिलीप जैन व महासचिव तूफान सिंह चौहान ने बताया कि इस आयोजन में विशेष राजस्थानी शहनाई वादक बुलाए गए हैं और अतिथियों के लिए जोधपुर से जोधपुरी पगड़ियां,उज्जैन से विशेष फूल मालाएं मंगवाई गई है। साथ ही कार्यक्रम में महिला पत्रकारों को जार के राज्य स्तरीय मातृशक्ति पत्रकार सम्मान से सम्मानित किया जाएगा और जार के सहयोगियों को जार सम्मान से सम्मानित किया जाएगा।

राजकीय महाविद्यालय बाड़ी में गुरु वंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया

चमकता राजस्थान

धौलपुर (रामदास तरुण) । बाड़ी राजकीय महाविद्यालय बाड़ी में गुरु बंधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मां शारदे के सम्मुख द्वीप प्रजल्वित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. पी. एस. तिवारी जिला अध्यक्ष एबीवीपी धौलपुर, ओम प्रकाश शर्मा प्रांत प्रमुख जयपुर, अभिनव सिंह एबीवीपी जयपुर एवं प्राचार्य डॉ. एम. के. सिंह द्वारा की गई। कार्यक्रम के दौरान डॉ. पीएस तिवारी द्वारा महाविद्यालय के सभी विद्यार्थियों को गुरु शिष्य परंपरा सम्मान व गुरुओं के आशीर्वाद स्वरुप वचनों का जीवन में महत्व समझाया। अभिनव सिंह ने बताया कि आधुनिक समय में गुरुओं का शिष्यों के मध्य पहले जैसी सद्भावना में कमी आई है। भारत प्राचीन काल से धार्मिक मान्यताओं गुरु शिष्य परंपरा का धनी रहा है। साथ ही ओमप्रकाश द्वारा महाविद्यालय छात्रों को अपने जीवन में सद्गुणों का अपनाना चाहिए! माता-पिता बड़े बुजुर्गों व गुरुओ का सम्मान करना चाहिए। राजकीय महाविद्यालय बाड़ी के प्राचार्य डॉ. एम के सिंह स्वयं ऐसे गुरु हैं! जिन्होंने अपने जीवन में अनेक शिष्यों को सदमार्ग पर चलना सिखाया है। जिसमें विज्ञान ही नहीं बल्कि कला के छात्र-छात्राओ ने भी प्रेरित होकर ऊंचाइयों को छुआ है! तथा कार्यक्रम में प्राचार्य द्वारा गुरु वंदना कार्यक्रम में वीर सावरकर के रोचक प्रसंग का भी जिक्र किया। अंत में धर्मेंद्र मीणा सहायक आचार्य भूगोल द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कबीर शरण द्वारा किया गया। इस अवसर पर राजकीय महाविद्यालय बाड़ी व कन्या महाविद्यालय के समस्त व्याख्यातागण, विद्यार्थी एवं समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

रोडवेज में 36 वाँ स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित, 398 यूनिट हुआ रक्तदान

- ''आत्मानो मोक्षार्थं जगत हिताय च'' की भावना को सार्थक बनाता है रक्तदानः रोडवेज अध्यक्ष

चमकता राजस्थान। जयपुर। राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। रोडवेज अध्यक्ष श्रीमती श्रेया गुहा ने कहा कि इस तरह के स्वैच्छिक रक्तदान शिविर ''आत्मानो मोक्षार्थं जगत हिताय च'' की भावना को सार्थक बनाते है। उन्होंने रक्तदान को ही समाज और मानवता की अप्रतीम और सच्ची सेवा बताया।

श्रीमती गुहा ने गुरुवार को रोडवेज मुख्यालय पर राजस्थान रोडवेज रिलीफ सोसाइटी, लायंस क्लब एवं एसएमएस अस्पताल के सहयोग से आयोजित 36वें स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का दीप प्रज्लवन कर शुभारंभ किया। शिविर में निगम के सभी आगारों की सहभागिता से लगभग 398 कार्मिकों ने रक्तदान कर अपने सामाजिक दायित्व को पूरा किया। शिविर में कुल 398 यूनिट रक्तदान हुआ।

राजस्थान रोडवेज रिलीफ सोसाइटी के संयोजक श्री ताराचंद जैन ने बताया कि दुर्घटनाओं और प्राकृतिक आपदाओं में धायल चालाक/परिचालक एवं यात्रियों का जीवन अमूल्य है, जिनके लिये इस तरह के रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है। जिससे किसी भी जरुरतमंद को संकट के समय रक्त उपलब्ध हो सकें। उन्होंने बताया कि रोडवेज निगम में विगत 35 वर्षों से रोडवेज रिलीफ सोसाइटी द्वारा रोडवेज कार्मिकों की सहभागिता से रक्तदान शिविर आयोजित किये जा रहें है। इस अवसर पर रोडवेज की कार्यकारी निदेशक (यातायात) डॉ. ज्योति चौहान, कार्यकारी निदेशक (प्रशासन) श्रीमती अनीता मीना, कार्यकारी निदेशक (यांत्रिक) श्री रवि सोनी, लायंस क्लब के अध्यक्ष श्री अनिल जैन सहित निगम के अधिकारी उपस्थित रहें।

अजमेर केंद्रीय मंत्री के पुत्र का मनाया जन्मदिन, किया पौधारोपण

जन्मदिन पर एक पौधा मां के नाम पौधा रोपण , पर्यावरण संरक्षण गौ सेवा और सेवा कार्य के साथ साथ शिवआराधना कर भाजपा नेता सुभाष चौधरी का मनाया जन्मदिन

चमकता राजस्थान

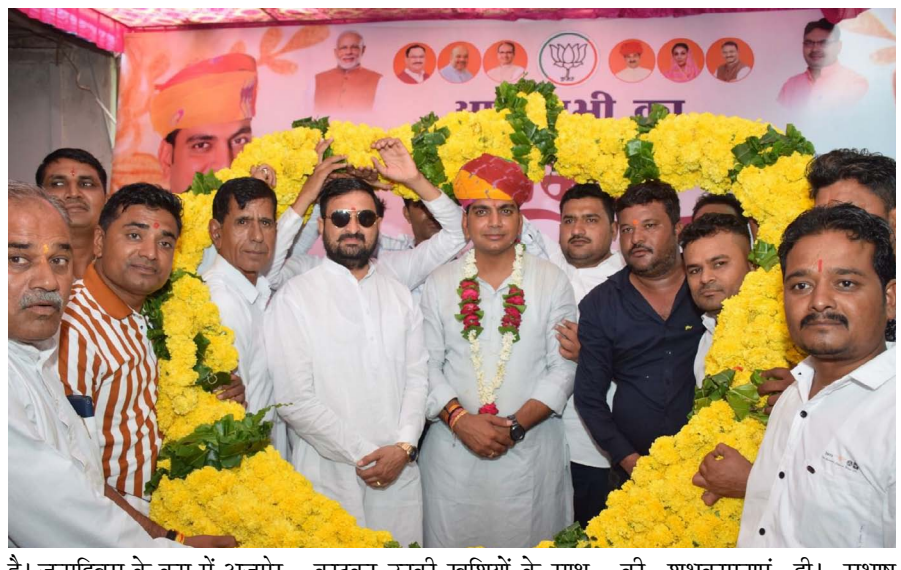

- समाज को अनुकरणीय पहल 2100 पौधों का जन्मदिन पर वितरण कर दिया सुभाष चौधरी ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश
- अपनाघर और लाडली घर के बालक बालिकाओं के साथ सेवाकार्यो से मनाया भाजपा नेता सुभाष चौधरी ने जन्मदिन

रघुनंदन पारीक/ श्रीनगर। भारतीय जनता पार्टी नेता सुभाष चौधरी के जन्म दिन पर पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ जन्मदिन मनाने का निर्णय लिया, आज चौधरी ने अपने जन्मदिन की शुरूआत किशनगढ स्थित कृष्णगढ गौ चिकित्सालय में गायों की सेवा करके की एवं चुंगीवाले बालाजी का दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। निवास पर सुभाष चौधरी से मिलने आए बडी संख्या में आमजन, कार्यकर्ताओं , पार्टी पदाधिकारियों, जन प्रतिनिधियों से निवास पुर शुभकामना स्वीकार की। निवास स्थान पर सुभाष चौधरी ने 2100 पौधों का वितरण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जो कि अनुकरणीय पहल है। जन्मदिवस के क्रम में अजमेर स्थित अपनाघर एवं लाडली घर विद्यालय में जा कर मूक बधिर एवं दृष्टि बाधित, बच्चों के साथ केक काटकर उनकी खुशियों के साथ जन्म दिन मनाया इस अवसर पर बच्चे भी सुभाष चौधरी के साथ आत्मियता से मिले और जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। सुभाष चौधरी ने कहा कि इन बच्चों के साथ मनाया आज जन्म दिन के ये पल मेरे लिए सबसे अविस्मरणीय है । जिस आत्मियता से इन नन्हे मुन्नो बालक बालिकाओं ने शुभकामनाएं दि वे सदैव याद रहेगी। चौधरी ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की और उनके लिए जरूरत का सामान भी संस्था को भेंट किया।

वर्तमान युग में संस्कृति और संस्कारों के साथ जन्मदिन मनाने का स्थान जहां पाश्चात्य संस्कृति लेती जा रही है वहीं सुभाष चौधरी प्रतिवर्ष अपना जन्मदिन शिवआराधना के साथ सनातन संस्कृति के अनुरूप मनाते है, अपने पिछले जन्मदिवस पर चौधरी ने उज्जैन में महाकाल के दरबार में हाजरी लगाकर अपना जन्मदिन मनाया तो इस जन्मदिवस पर नाग पहाड पुष्कर पर पाण्डुकेश्वर महादेव मन्दिर में सहस्त्रधारा कर शिव आराधना के साथ, जन्मदिवस मनाया। आज की पिढी के लिए इस तरह संस्कार और प्रकृति प्रेम के संदेश के साथ जन्मदिन मनाने का यह अनुकरणीय उदाहरण है।

नदी से नदी जुड़े तो किसानों को खेती के लिए व आमजन को मिलेगा पीने का पानी: राव राजेन्द्र सिंह

जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेन्द्र सिंह का लोक सभा में पहला स्पीच रहा अत्यंत प्रभावशाली

चमकता राजस्थान

शाहपुरा (खलील कुरैशी) जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह का मंगलवार तेल शाम को लोकसभा में पहले स्पीच प्रभावशाली रहा।भाजपा एससी मोर्चा के जिलाध्यक्ष, जयपुर ग्रामीण लोकसभा चुनाव के मीडिया प्रभारी एडवोकेट बीएस बेनीवाल व भाजपा जयपुर जिला देहात उत्तर के मीडिया सह प्रभारी शुभाष जोशी ने बताया कि लोकसभा में अपना पहला स्पीच देते हुए सांसद राव राजेन्द्र सिंह ने कहा कि

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार भाजपा सरकार आमजन किसानों व वंचित वर्ग के लिए कई कल्याणकारी योजनाओं का संसाधन कर रही है। जिससे देश का हर वर्ग लाभान्वित होगा उन्होंने संसद में देश के किसानो के विकास के लिए व देश वासियों को पीने योग्य शुद्ध जल उपलब्ध कराने के लिए नदी से नदी जोड़ने का कार्य तीव्रता से करने, वंचित वर्ग के कल्याण कई योजनाए संचालीत करने की सराहना की, सिंचाई व पेयजल की उपलब्धता कराने, भारतीय इकोनॉमी के बढ़ते कदम से भारत में विदेश के लोगों के निवेश करने के लिए लालायत है। देश विदेश ही नहीं मोदी जी के नेतृत्व में आकाश में भी प्रगति कर राष्ट्र का गौरव बढ़ाया है। चांद की दक्षिण भाग पर यान पहुंचाकर मोदी के नेतृत्व में वैज्ञानिकों ने देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि बावजूद इसके विपक्ष नेगेटिव विचार धारा की राजनीति कर रहा है। लेकिन सत्य किसी से छिपा हुआ नही है।सिंह के मार्मिक, सत्य आधारित, सुदृढ़ संकलित आंकड़ो के साथ विचार व्यक्त करने पर लोक सभा के पक्ष ही नही विपक्ष के सदस्यों ने भी शांति से उनका स्पीच सुनकर सराहना की।

पचलंगी राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में किया वृक्षारोपण

चमकता राजस्थान / उदयपुरवाटी

- **जनहितैषी संस्था सिरोही ने 60 निशुल्क छायादार पौधे विद्यालय में कराए उपलब्ध**
- **धरती को बचाना है तो प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम दो पौधे लगाने चाहिए: मदनलाल भावरिया**

(सुमेर सिंह राव)। उपखंड क्षेत्र के पचलंगी गांव में स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय पचलंगी ब्लाक-उदयपुरवाटी में प्रधानाचार्या स्नेहलता के प्रयासों से मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान के तहत जनहितैषी संस्था , सि-रोही, नीमकाथाना के संस्थापक अनिल कुमार कस्वा के द्वारा 60 निःशुल्क छायादार पौधे विद्यालय किए वृक्षारोपण हेतु उपलब्ध करवाएं गये ' जिन्हें राष्ट्रीय सामाजिक जनचेतना मंच के अध्यक्ष एवं वन्य प्रेमी मदनलाल भावरियां के करकमलों द्वारा विद्यालय परिसर में लगाए गए । वन्य प्रेमी भावरियां ने इस अवसर पर सभी को संदेश दिया कि अगर धरती को बचाना है तो प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन काल में कम से कम दो पौधे अवशय लगाने चाहिए। बच्चों को अमृता देवी की कहानी के माध्यम से समझाया कि पेड़ों की सुरक्षा के लिए उसने अपना सारा जीवन समर्पित कर दिया। अन्त में विद्यालय की प्रधानाचार्य स्नेहलता ने भावरियां व अनिल कुमार कस्वा का धन्यवाद ज्ञापित कर सभी को वृक्षारोपण हेतु प्रेरित किया। इस दौरान राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा '

संक्षिप्त खबरें

बाड़ी जलदाय विभाग की घोर लापरवाही से नलों में आ रहा है, बहुत गंदा पानी एवं प्रदूषित आता है, जिससे पानी पीना तो दूर नहा भी नहीं सकते

चमकता राजस्थान/धौलपुर, रामदास तरुण। नलों में सारे समय सप्लाई होने तक गंदा बदबूदार पानी जलदाय विभाग की घोर लापरवाही के कारण वितरित किया गया। नलों में गंदा पानी, मैंने जेईएन पीएचइडी एवं पत्रकारों को वीडियो एवं फोटो सेंड किया! इस मामले में, मैं कई बार जूनियर इंजीनियर को बुलाकर समस्या से अवगत करा दिया है! परंतु उन्होंने आज तक इस समस्या पर कोई ध्यान नहीं दिया! अब पानी की समस्या बहुत बड़ी हो गई है! बरसात का समय है! मौसमी बीमारी फैलने का बहुत डर है! परंतु जलदाय विभाग के द्वारा रोजाना प्रदूषित पानी सप्लाई किया जा रहा है! शिकायत करते हैं! तो उनके कान पर जूं तक नहीं रेंगता है! लाइन क्षतिग्रस्त है! क्षतिग्रस्त

लाइन नालियों से जुड़ी हुई है! और जब नल चले जाते हैं! वही क्षतिग्रस्त लाइन नाली का गंदा पानी खींच लेती है! अगले दिन जब पानी सप्लाई होता है, तो 15-20 मिनट तक नालियों का गंदा पानी पाइप लाइनों में सबसे पहले वही निकलता है! विभाग के द्वारा घरों में सप्लाई किया जाता है, जलदाय विभाग के कर्मचारी कान में तेल डालकर आराम से सो रहे हैं! कोई ध्यान नहीं दिया जाता है! राजवीर सिंह कौशल खादी आश्रम के सामने गली हवेली पाडा बाड़ी पूरी गली के नलों में आ रहा है! गंदा पानी कृपया शासन एवं प्रशासन ध्यान दें!

"स्वास्थ्य दल आपके द्वार" अभियान 31 अगस्त तक, मौसमी बीमारियों के नियंत्रण व रोकथाम हेतु चलेगा विशेष अभियान'

चमकता राजस्थान/धौलपुर/ रामदास तरुण। धौलपुर, 8 अगस्त 24 को बारिश के दौरान मौसमी बीमारियों तथा मलेरिया, डेंगू आदि रोगों के नियंत्रण, रोकथाम एवं बचाव के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा संबंधित अन्य विभागों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए 'स्वास्थ्य दल आपके द्वार' का प्रथम चरण 31 अगस्त तक संचालित किया जाएगा। इस संबंध में राज्य स्तर से चिकित्सा, स्थानीय निकाय, पंचायती राज एवं समाज कल्याण विभाग सहित अन्य विभागों से समन्वय स्थापित करते हुए, मौसमी बीमारियों की रोकथाम एवं बचाव के लिए घरों का सर्वे, सोर्स रिडक्शन, एन्टीलार्वल, एंटी एडल्ट तथा जागरुकता के लिए आईईसी गतिविधियां इत्यादि संपादित कर प्रभावी उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जयंती लाल मीणा ने बताया कि डेंगू केसेज में ज्यादातर बढोतरी अगस्त से लेकर नवम्बर माह में ज्यादा होती है, ऐसे में मच्छरों की ट्रांसमिशन श्रंखला को तोड़ने के लिए मच्छररोधी गतिविधियां आवशयक होती हैं। उन्होंने बताया कि सभी खंड मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों अपने अधीनस्थ क्षेत्रों में आशा-एएनएम तथा सीएचओ की टीम तथा पर्यवेक्षण हेतु एलएचवी, पीएचएम एवं मल्टी पर्पज वर्कर की टीम गठित कर नियुक्त कर कार्यवाही करने के निर्देश प्रदान किए गये हैं। बुखार के रोगियों की स्लाईड एकत्र करना, बुखार रोगियों का सर्वे, एन्टोमोलॉजिकल सर्वे तथा हाउस इंडेक्स आदि की नियमित मॉनिटरिंग करने के भी निर्देश दिए गए हैं। उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. चेतराम मीणा ने बताया कि नगर परिषद से समन्वय स्थापित कर सफाई कर्मियों को लार्वा का डेमोस्ट्रेशन व एंटीलार्वल गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। सभी सोर्स रिडक्शन, एंटीलार्वल आदि गतिविधियों की रिपोर्टिंग मरुधर एप के माध्यम से करवायी जाएगी। इसके साथ ही स्थानीय निकायों के माध्यम से समन्वय स्थापित कर नालियों में एमएलओ डालना, नालियों, टंकी इत्यादि की साफ-सफाई, फॉगिंग, सडक पर बने गड्ढों को भरना एवं लार्वा पाए जाने वाले घरों में नियमानुसार नोटिस- चालान कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। पंचायती राज के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में फॉगिंग कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

जदयू नेताओं ने एसएसपी को सौंपा ज्ञापन

भागलपुर। भागलपुर महानगर जदयू के अध्यक्ष संजय साह एवं युवा जदयू के राष्ट्रीय सचिव राकेश कुमार ओझा ने गुरुवार को संयुक्त रूप से भागलपुर के वरीय पुलिस अधीक्षक आनंद कुमार से मुलाकात कर शहर में हो रहे आपराधिक घटनाओं पर कार्रवाई करने एवं रौनक केडिया की हत्या में शामिल अपराधियों पर कारवाई करने की मांग की। इस पर एसएसपी आनंद कुमार ने जानकारी दिया कि पुलिस उपाधीक्षक अजय कुमार चौधरी के नेतृत्व में एक एफ एस एल टीम का गठन किया गया है। जल्द ही अपराधी पकड़े जाएंगे।

बीएसएफ ने दी चेतावनी, किसी भी वक्त भारत में घुस सकते हैं बांग्लादेश जेल से भागे जिहादी!

संवाददाता

कोलकाता। बांग्लादेश में अराजकता चल रही है। हिंसा के साथ-साथ जेलें भी तोड़ी जा रही हैं। सैकड़ों असामी वहां से भाग गये। इनमें से कई जिहादी हैं। जेल से भागे जेएमबी, अंसारुल्लाह बांग्ला टीम के वे सभी उग्रवादी सीमा पार कर इस देश में प्रवेश कर सकते हैं। ऐसा ही आशंका है सीमा सुरक्षा बल यानी बीएसएफ का। ऐसे में वे बांग्लादेश की सीमा से लगे गांवों के लोगों से सीधे संपर्क में हैं। ऐसी विषम परिस्थिति में ग्रामीणों को क्या करना चाहिए और क्या नहीं, यह समझाते है।

बांग्लादेश की सीमा बंगाल, असम, मणिपुर, मेघालय जैसे राज्यों से सटा हुआ है। आशंका है कि कई शरणार्थी अपनी जान बचाने के लिए सीमा पार कर इस देश में प्रवेश कर सकते हैं। उग्रवादी भी उनके साथ सीमा पार कर सकते हैं। वे इस देश में घुसकर बंगाल समेत पूर्वोत्तर राज्यों में शरण ले सकते हैं। दिल्ली समेत कई शहरों में फैल सकता है। वे विनाशकारी गतिविधियों को अंजाम दे सकते हैं। स्लीपर सेल भी बना सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय संबंध विशेषज्ञों का कहना है कि बांग्लादेश में किसकी सरकार बनेगी, इस पर उनकी नजर रहेगी। यदि लचीली सरकार बनती है तो वे उस देश में लौट सकते हैं। या वे इसी देश में सुरक्षित आश्रय लेंगे।

इस देश के अलग-अलग हिस्सों में तुरंत तोड़फोड़ की जा सकती है। जिससे इस देश की राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा होगा। ऐसी स्थिति में क्या करना चाहिए, इसकी जानकारी बीएसएफ दे रही है। बीएसएफ की 93वीं बटालियन के सहायक कमांडेंट मनोज कुमार ने कहा कि जेल तोड़ जमात के उग्रवादी किसी भी समय भारतीय सीमा पार कर सकते हैं। बीएसएफ ने खरिजा बेरूबारी के ग्राम पंचायत नंबर 2 के नया सरदार पारा में ग्रामीणों के साथ बैठक की। वहीं बीएसएफ अधिकारियों ने कहा कि बांग्लादेश के फिलहाल भारत के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध नहीं हैं। इसलिए सीमावर्ती इलाकों में मवेशियों को न छोड़ें। यदि कोई आर्थिक प्रलोभन देकर रात में आश्रय देने को कहे तो तुरंत बीएसएफ को सूचित करें। प्रशासन ने अग्निगर्भ की स्थिति के कारण घुसपैठ को रोकने के लिए सुंदरबन के पास जलमार्गों पर हाई अलर्ट जारी किया है। तटरक्षक बल की कड़ी निगरानी है। बांग्लादेश की सीमा से लगे सुंदरवन की नदियों और समुद्री मार्गों पर नजरदारी बढ़ा दी गई है। तटरक्षक बल का होवरक्राफ्ट बंगाल की खाड़ी से फ्रेजरगंज के मुहाने तक के प्रवेश द्वार की निगरानी कर रहा है। तटरक्षक बल के अलावा, सुंदरबन क्षेत्र के तट पर विभिन्न पुलिस स्टेशनों की पुलिस और टहलदारी दल तैनात किए गए हैं।

पार्टी कार्यालय में उपाध्यक्ष से मारपीट,दो भाजपा कार्यकर्ताओं का हुआ बहिष्कार

संवाददाता

कोलकाता। पार्टी दफ्तर में बीजेपी उपाध्यक्ष की पिटाई का वीडियो वायरल। हाल ही में वायरल हुए एक वीडियो में हुगली संगठनात्मक जिला भाजपा उपाध्यक्ष गोपाल उपाध्याय को हुगली जिला भाजपा कार्यालय के अंदर परेशान करते देखा गया। वीडियो में पार्टी के दो कार्यकर्ता उन्हें हाथों से धक्का देते नजर आ रहे हैं।

किसी तरह वह वीडियो प्रदेश नेतृत्व तक पहुंच गया। इसके बाद बीजेपी के दो कार्यकर्ताओं शास्वत बनर्जी और शुबोजीत मल्लिक को पार्टी अनुशासन का उल्लंघन करने के आरोप में बहिष्कार कर दिया गया। दोनों को बहिष्कार करने के फैसले की जानकारी जिला अध्यक्ष तुषार मजूमदार ने अपने पार्टी लेटर पैड पर लिखकर दी।

बीजेपी सूत्रों के मुताबिक, कुछ दिन पहले बीजेपी ने हकर को हटाने के खिलाफ चुंचुरा नगर निगम के सामने विरोध प्रदर्शन किया था।

वहां एक बीजेपी कार्यकर्ता ने शास्वत से शिकायत की। उसे गर्दन से पकड़कर वहां धकेल दिया गया। 5 अगस्त की शाम बीजेपी दफ्तर के अंदर उपाध्यक्ष गोपाल उपाध्याय से बहस शुरू हो गई। तभी दोनों कार्यकर्ताओं ने उपाध्यक्ष को परेशान किया। उन दोनों पर ऐसे आरोप लगे हैं। पूर्व सांसद लॉकेट चटर्जी ने लोकसभा चुनाव से पहले शाश्वत को सोशल मीडिया पद से हटा दिया था। इस बार प्रदेश नेतृत्व के आदेश पर उन्हें पार्टी से बहिष्कार कर दिया गया है।

सार्वजनिक निर्माण विभाग प्रमुख शासन सचिव प्रवीण गुप्ता ने आरएसआरडीसी में किया पौधारोपण

चमकता राजस्थान

जयपुर। सार्वजनिक निर्माण विभाग के प्रमुख शासन सचिव प्रवीण गुप्ता ने झालना स्थित आरएसआरडीसी में पौधारोपण किया इस अवसर पर उनके साथ शासन सचिव डी आर मेघवाल सहित विभाग के कई अभियंता तथा कर्मचारी उपस्थित थे।

ज्ञातव्य है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प "एक पौधा मां के नाम" को साकार करने के लिए राजस्थान सरकार ने हरियालो राजस्थान अभियान की शुरूआत की है साथ ही सरकार ने पौधे को जीवित रखने के लिए सभी की जिम्मेदारी तय की है। यह हमारी भी जिम्मेदारी है कि जो पौधा हमने लगाया है, उसकी सुरक्षा करें। पेड़ों का महत्व इस बात से लगाया जा सकता है कि हम बिना ऑक्सीजन के जीवित नही रह सकते हैं। मनुष्य को अपने आस्तित्व को बचाना है तो हम सभी को अधिक से अधिक वृक्ष लगाने चाहिए।

नवादा पहुंची झारखंड पुलिस, ठगी करनेवाले मामा - भांजा गिरफ्तार

संवाददाता

नवादा। नवादा पहुंची झारखंड के कोडरमा जिले के सतगांव थाना पुलिस ने गुरुवार को नवादा-गया रोड स्थित स्वर्ण व्यवसायी टूटू राज ज्वेलर्स के मालिक विक्की कुमार के घर पर छापेमारी की। हालांकि, पुलिस के हाथ अब तक खाली हैं।

आरोपी स्वर्ण व्यवसायी फरार बताए जा रहे हैं। ठगी के मामले में 15 भर का जेवर ठगी करने वाला मामा भांजा को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। स्वर्ण व्यवसायी विक्की कुमार पर ठगी के करीब 15 भर सोने के जेवरात खरीदने का आरोप है। बताया जा रहा है कि कोडरमा जिले के मर्चोई गांव में साधु के वेश में रहे दो ठग एक दंपती से 15 भर सोने के जेवरात की ठगी की वारदात को अंजाम दिया था।

वहीं, पीड़ित दंपती ने इस घटना की लिखित शिकायत स्थानीय पुलिस में की है।

ठगी की इस वारदात के बाद झारखंड के कोडरमा जिले के सतगावा थाना की पुलिस ने आरोपी दो ठग को नवादा जिले के बुंदेलखंड थाना क्षेत्र के तकिया पर मोहल्ले से गिरफ्तार कर ठगी की गई सोने की बरामदगी में जुटी है। दोनों साधु के वेश में ठग रिश्ते में मामा-भांजा बताए जा रहे हैं।

बताया जा रहा है कि पुलिस के हत्थे चढ़े शातिर दोनों ठग साधु के वेश में झारखंड के कोडरमा जिले के मर्चोई गांव के निवासी सुधीर सिंह के घर से 15 भर के सोने के गहने को लेकर रफूचक्कर हो गए थे। झारखंड के कोडरमा जिले की सतगावां पुलिस ने बताया कि दोनों ठगों द्वारा नवादा में सोने के जेवरात को बेचा गया था।

फिलहाल झारखंड पुलिस दोनों ठग को अपने हिरासत में लेकर स्वर्ण व्यवसायी के घर पहुंची और छापेमारी की।

स्वर्ण व्यवसायी विक्की कुमार फरार बताया जा रहा है। पुलिस के हत्थे चढ़े दोनों ठग नवादा शहर के तकिया पर मोहल्ले में एक किराए के मकान में रह कर साधु का रूप धारण कर ठगी की वारदात को अंजाम दे रहे थे। गिरफ्तार ठग मो. शमशाद और मो. चुन्नू बताए जाते हैं। झारखंड पुलिस फरार स्वर्ण कारोबारी और अन्य ठगों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

पेट्रापोल भूमि बंदरगाह से भारत-बांग्लादेश व्यापार शुरू

संवाददाता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पेट्रापोल भूमि बंदरगाह के माध्यम से कड़ी सुरक्षा के बीच भारत और बांग्लादेश के बीच व्यापार गुरुवार सुबह फिर शुरू हो गया। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। 5 अगस्त को बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद दोनों देशों के बीच व्यापार ठप हो गया था। यह आंशिक रूप से बुधवार को पश्चिम बंगाल के कई भूमि बंदरगाहों के माध्यम से फिर शुरू हुआ लेकिन पेट्रापोल में नहीं।

पेट्रापोल के माध्यम से द्विपक्षीय व्यापार सभी भूमि बंदरगाहों में सबसे अधिक है, जो बांग्लादेश के साथ साझा किए गए हैं। एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, पेट्रापोल से व्यापार सुबह से शुरू हो गया। कल दोनों देशों के हितधारकों के साथ गतिरोध को हल करने के लिए बैठक हुई थी।

बेनापोल, जो पश्चिम बंगाल में पेट्रापोल सीमा के बांग्लादेश की तरफ स्थित है, उसके सीएंडएफ स्टाफ एसोसिएशन के महासचिव सजेदुर रहमान ने बुधवार शाम बैठक के बाद कहा था कि व्यापार गुरुवार सुबह फिर से शुरू होने की उम्मीद है।

बुधवार को हिली, चांग्राबंधा, महादीपुर, फुलबारी और गोजाडांगा जैसे भूमि बंदरगाहों पर आंशिक रूप से व्यापार फिर से शुरू हुआ। अधिकारियों ने बताया कि शेख हसीना सरकार के पतन के बाद बड़े पैमाने पर हिंसक विरोध प्रदर्शन के चलते भारत ने सीमा पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सीमा सुरक्षा बल के महानिदेशक ने मंगलवार को पेट्रापोल का दौरा कर अंतरराष्ट्रीय सीमा के साथ स्थिति की समीक्षा की थी।

बांग्लादेश दक्षिण एशिया में भारत का सबसे बड़ा व्यापार भागीदार है। 2023-24 में भारत का बांग्लादेश को निर्यात 11 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़ कर 12.21 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। आयात पिछले वित्तीय वर्ष में पांच बिलियन अमेरिकी डॉलर से घट कर 1.84 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया।

भारत बांग्लादेश को मुख्य रूप से सब्जियां, कॉफी, चाय, मसाले, चीनी, कन्फेक्शनरी, परिष्कृत पेट्रोलियम तेल, रसायन, कपास, लोहा और इस्पात और वाहन निर्यात करता है। जबकि बांग्लादेश से वस्त्र और परिधान भारत आता है। यह उनके शिपमेंट का 56 प्रतिशत है।

गांधी और दीघा घाट पर गंगा नदी खतरे के निशान से ऊपर, गंडक भी उफान पर

एजेंसी

पटना। नगर के गांधी घाट पर गंगा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। दीघा घाट पर भी जलस्तर में इजाफा हुआ है। गांधी घाट पर बुधवार सुबह नदी का जलस्तर 48.35 मीटर था, वह गुरुवार सुबह 48.70 मीटर पर पहुंच गया है। गंगा खतरे के निशान से 10 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है। दीघा घाट पर भी गंगा नदी 49.54 मीटर से बढ़कर 49.92 मीटर पर पहुंच गई है। इस तरह से यहां 38 सेंटीमीटर पानी बढ़ा है। फतुहा और हाथीदह में भी नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी हो रही है। यहां भी यह भी गंगा खतरे के निशान के पास पहुंच गई है।

नेपाल समेत उत्तर बिहार में हो रही वर्षा से कई नदियों में फिर से उफान आ गया है। सीतामढ़ी-शिवहर में कोसी, झीम और रातो नदी के जलस्तर में वृद्धि देखी जा रही है। शिवहर में बागमती खतरे के निशान से 73 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है। कोसी और सीमांचल की नदियों के जलस्तर में वृद्धि हो रही है। खगड़िया में गंगा और बूढ़ी गंडक रफ्तार में है। दोनों नदियां तेजी से खतरे के निशान की ओर बढ़ रही हैं। पिछले 24 घंटे में गंगा के जलस्तर में 43 और बूढ़ी गंडक के जलस्तर में 53 सेंटीमीटर की वृद्धि हुई है। वहीं कोसी के जलस्तर में 10 सेंटीमीटर की वृद्धि हुई है। कोसी खतरे के निशान से 37 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है। बागमती के जलस्तर में बीते 24 घंटे के दौरान 15 सेंटीमीटर की वृद्धि दर्ज की गई है।

नाग पंचमी कब है? शुभ मुहूर्त-पूजा विधि और इस दिन का महत्व

सावन मास का विशेष महत्व है. नाग पंचमी सावन शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि के दिन मनाई जाती है. इस बार सावन शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि 09 अगस्त दिन शुक्रवार को है. इस दिन नाग देवता की उपासना करने का विधान है और ऐसा करने से घर में सुख-समृद्धि और ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है.

नाग पंचमी पूजा शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, इस साल सावन मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि 9 अगस्त 2024 दिन शुक्रवार को है. इस खास मौके पर नाग देवता की पूजा-अर्चना की जाती है. नाग पंचमी तिथि की शुरुआत 9 अगस्त 2024 दिन शुक्रवार की सुबह 8 बजकर 15 मिनट पर होगी और अगले दिन यानी 10 अगस्त की सुबह 6 बजकर 09 मिनट पंचमी तिथि समाप्त हो जाएगी. नाग पंचमी के दिन नाग देवता की पूजा के लिए शुभ मुहूर्त पूरे दिन रहेगा. हालांकि विशेष पूजा के लिए 9 अगस्त की दोपहर 12 बजकर 13 मिनट से 1 बजे तक का समय शुभ रहेगा, इसके अलावा 9 अगस्त को प्रदोष काल में शाम 6 बजकर 33 मिनट से लेकर रात 8 बजकर 20 बजे तक नाग देवता की पूजा कर सकते हैं.

नाग पंचमी पर इन नागों की होती है पूजा

नाग पंचमी की शुभ अवसर पर अनंत, वासुकी, शेष, पद्म, कंबल, कर्कोटक, अश्वतर, धृतराष्ट्र, शंखपाल, कालिया, तक्षक और पिङ्गल नाग की पूजा का विधान है. इस विशेष दिन पर नाग को दूध पिलाया जाता है, इसके अलावा नाग देवता को दूध और धान का लावा चढ़ाने का विशेष महत्व है.

नाग पंचमी के दिन कैसे करें नाग देवता की पूजा

- नाग पंचमी के दिन सूर्योदय से पहले स्नान करें.
- इसके बाद भगवान शिव के साथ-साथ नाग देवता की पूजा करें.
- नाग देवता को जल, अक्षत, नैवेद्य, पुष्प, दही, फल, फूल, मिठाई और दूध अर्पित करें.
- इसके बाद नाग देवता को दूध और धान का लावा चढ़ाए.

कुंडली में अगर कालसर्प दोष या फिर राहु-केतु से संबंधित कोई दोष हो तो जरूर करें नाग देवता की पूजा...

नाग पंचमी पर मुख्य रूप से आठ नाग देवताओं की पूजा की जाती है और वे हैं वासुकि, ऐरावत, मणिभद्र, कालिया, धनंजय, तक्षक, कर्कोटकस्य और धृतराष्ट्र। इनकी पूजा करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है और सर्प भय से मुक्ति मिलती है।

हिंदू धर्म में नाग पंचमी सबसे प्रमुख त्योहारों में से एक है। मान्यताओं के अनुसार जिन जातकों की कुंडली में कालसर्प दोष या फिर राहु-केतु से संबंधित कोई दोष हो तो नाग पंचमी के दिन नाग देवता की पूजा जरूर करनी चाहिए। नाग पंचमी पर मुख्य रूप से आठ नाग देवताओं की पूजा की जाती है और वे हैं वासुकि, ऐरावत, मणिभद्र, कालिया, धनंजय, तक्षक, कर्कोटकस्य और धृतराष्ट्र। इनकी पूजा करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है और सर्प भय से मुक्ति मिलती है। नाग पंचमी श्रावण मास के शुक्ल पक्ष में मनाई जाती है। इस बार नाग पंचमी 09 अगस्त 2024 को मनाई जाएगी। नाग पंचमी का एक ऐसा त्योहार जो देशभर के लगभग सभी राज्यों में बहुत धूमधाम से मनाया जाता है। मान्यताओं के अनुसार नाग पंचमी के दिन नागों की पूजा करने से व्यक्ति के जीवन में आध्यात्मिक शक्ति, मनोवांछित फल और अपार धन की प्राप्ति होती है। हिंदू पंचांग के अनुसार, नाग पंचमी का त्योहार श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पंचम तिथि को मनाया जाता है। इस साल ये तारीख 09 अगस्त 2024 को है। पंचमी तिथि की शुरुआत 9 अगस्त को मध्य रात्रि 12.36 से 10 अगस्त प्रातः 03.14 पर समाप्त होगी।

नाग पंचमी पूजा मुहूर्त

नाग पंचमी की पूजा मुहूर्त की बात की जाए तो इस साल के श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पंचम तिथि यानी 09 अगस्त 2024 को सुबह 05.47 से 08.26 तक रहेगा। कुल मिलाकर 2 घंटे 39 मिनट के लिए पूजा का मुहूर्त है।

नाग पंचमी पूजा विधि

नाग पंचमी के दिन सबसे पहले सुबह सूर्योदय से पहले उठकर नित्य कर्मों से मुक्त हो लें, फिर स्नान करें। इसके बाद शिव जी के साथ-साथ नाग देवता की पूजा करें। नाग देवता की पूजा में फल, फूल, मिठाई और दूध अर्पित करें। मान्यताओं के अनुसार जिन जातकों की कुंडली में कालसर्प दोष या फिर राहु-केतु से संबंधित कोई दोष हो तो नाग पंचमी के दिन नाग देवता की पूजा जरूर करनी चाहिए। नाग पंचमी पर मुख्य रूप से आठ नाग देवताओं की पूजा की जाती है और वे हैं वासुकि, ऐरावत, मणिभद्र, कालिया, धनंजय, तक्षक, कर्कोटकस्य और धृतराष्ट्र। इनकी पूजा करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है और सर्प भय से मुक्ति मिलती है।

नाग पंचमी क्यों मनाते हैं?

नाग पंचमी मनाने के पीछे एक पौराणिक कथा है। कथा के मुताबिक, महाभारत युद्ध के बाद पांडवों ने अभिमन्यु के पुत्र परीक्षित को राजा बना दिया और खुद स्वर्ग की यात्रा पर निकल गए थे। पांडवों के बाद धरती पर कलियुग का आगमन हो गया था। राजा परीक्षित की मृत्यु नाग देव के डंसने से हुई थी। परीक्षित का पुत्र जनमेजय बड़ा हुआ तो उसने अपने पिता की मृत्यु का बदला लेने के लिए पृथ्वी के सभी नागों को मारने के लिए नाग दाह यज्ञ किया। इस यज्ञ में पूरी पृथ्वी के नाग आकर जलने लगे। जब ये बात आस्तिक मुनि को मालूम हुई तो वे तुरंत राजा जनमेजय के पास पहुंचे। आस्तिक मुनि ने राजा जनमेजय को समाझाया और ये यज्ञ रुकवाया। जिस दिन ये घटना घटी, उस दिन सावन शुक्ल पक्ष की पंचमी थी। उस दिन आस्तिक मुनि के कारण नागों की रक्षा हो गई। इसके बाद से नाग पंचमी पर्व मनाने की शुरूआत हुई। यज्ञ की आग को ठंडा करने के लिए आस्तिक मुनि ने उसमें दूध डाल दिया था। इस मान्यता की वजह से नाग पंचमी पर नाग देव को दूध चढ़ाने की परंपरा शुरू हुई है।

ऐसे कर सकते हैं नाग देव की पूजा

नाग पंचमी पर नाग अनंत, वासुकी, शेष, पद्म, कंबल, शंखपाल, कालिया, तक्षक का ध्यान करते हुए नाग प्रतिमा की पूजा करनी चाहिए। अगर नागदेव की प्रतिमा न हो तो शिवलिंग पर स्थापित नागदेव की पूजा कर सकते हैं। नागदेव को जल, दूध चढ़ाने के बाद हल्दी, रोली, चावल और फूल चढ़ाएं। धूप-दीप जलाकर पूजा करें। मिठाई का भोग लगाएं। नाग देवता की कथा पढ़ें-सुनें। इस दिन शिव जी की भी पूजा जरूर करें।

नाग पंचमी का महत्व

सावन का महीना वर्षा ऋतु का होता है और इस माह में सांप भू गर्भ से निकलकर भू तल पर आ जाते हैं। नाग निकलकर किसी को भी आहत ना कर दें, इसलिए नाग पचंमी का पूजा अर्चना की जाती है। बिहार, बंगाल आदि क्षेत्रों में कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि को नाग पंचमी का पर्व पूरे श्रद्धाभाव से मनाया जाता है। शास्त्रों व पुराणों में बताया गया है कि पंचमी तिथि के स्वामी स्वयं नागदेव हैं और इन दिनों सांपों की पूजा करने से मनोवांछित फल की प्राप्ति होगी और घर में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है। इस दिन नाग देवताओं की पूजा करने से कुंडली में मौजूद राहु व केतु से संबंधित दोषों से मुक्ति मिलती है और कालसर्प दोष की पूजा भी करवाई जाती है। पंचमी के दिन इनकी पूजा करने से सभी तरह की रुकावट दूर रहती हैं और मनुष्य को सांपों के भय से मुक्ति भी मिलती है। पुराणों में बताया गया है कि नाग देवता पाताल के स्वामी हैं इसलिए नाग पंचमी या किसी भी अन्य पंचमी के दिन व्यक्ति को भूमि की खुदाई करने से बचना चाहिए।

नाग पंचमी पूजा विधि

- नाग पंचमी के दिन सुबह स्नान आदि से निवृत होकर शिवालय में पूजा अर्चना करें और फिर व्रत का संकल्प लें।
- इसके बाद घर के मेन गेट, घर के मंदिर और रसोई के बाहर के दरवाजे के दोनों तरफ खड़िया से पुताई करें और कोयले से नाग देवताओं के चिन्ह बनाएं।
- आजकल नाग देवताओं की फोटो बाजारों में भी मिल जाती है, आप उनका भी प्रयोग कर सकते हैं। इसके बाद पूजा अर्चना करें और दूध अर्पित करें।
- घर के नाग देवताओं की पूजा करने के बाद खेतों या फिर ऐसे स्थान पर दूध का कटोरा रख दें, जहां सांपों के आने की संभावना हो।
- नाग देवता की पूजा पूजा में सेवई और चावल बनाएंगे। फिर ना देवताओं की दूध और जल से स्नान करवाएं और धूप, दीप नैवेद्य अर्पित करें।
- इसके बाद सच्चे मन से नाग देवताओं का ध्यान करें और फिर आरती करें। आरती करने के बाद नाग पंचमी की कथा का पाठ भी करें।

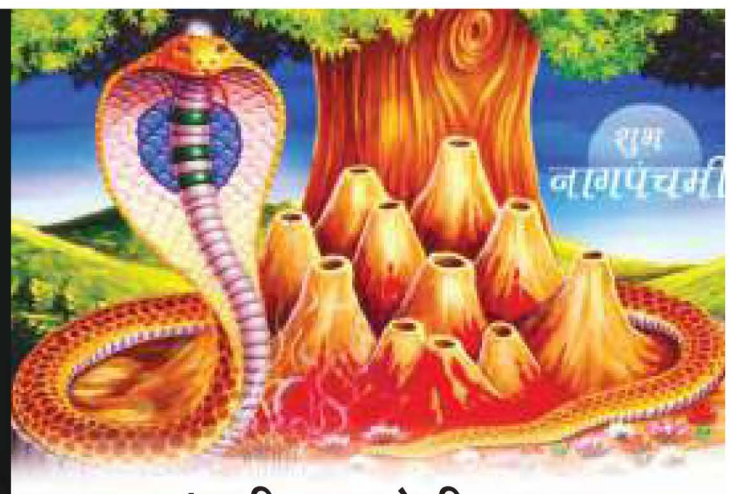

नाग पंचमी पर रोटी बनाना राहु को आमंत्रण देना है, जानिये और किन अवसरों पर रोटी बनाना वर्जित माना गया है

9 अगस्त 2024 को नाग पंचमी है। इस दिन लोग पौराणिक कथाओं में वर्णित आठ शक्तिशाली नागों की विशेष पूजा करते हैं, ताकि सांपों की पूजा करने से मनोवांछित फल की प्राप्ति हो और घर में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहे। लेकिन इस दिन कुछ कार्यों को करने की मनाही भी रहती है और जिसमें से एक है इस दिन रोटी ना बनाना।

हिन्दू धर्म में पर्व बहुत धूमधाम से मनाये जाते हैं लेकिन उसके साथ शास्त्रों में कुछ नियम भी बताये जाते हैं जो अशुभता का प्रतीक होते हैं और उस दिन करने से मना किया जाता है। नाग पंचमी के दिन कुछ काम हैं, जिसे वर्जित माना जाता है, जैसे कि इस दिन जमीन की खुदाई, सिलाई-कढ़ाई और नुकीली चीजों का इस्तेमाल करना मना किया जाता है। सर्प जमीन में रहते हैं और जमीन की खुदाई या हल चलाने से उन्हें नुकसान पहुँच सकता है। शास्त्रों के अनुसार, नाग पंचमी के दिन तवे का या किसी भी लोहे की चीज का इस्तेमाल करना शुभ नहीं माना जाता है क्योंकि तवा सांप के फन का प्रतिरूप होता है। ऐसे में तवा को चूल्हे पर रखना अशुभ माना जाता है। तवा को राहु का प्रतीक भी माना जाता है और इस दिन तवा पर रोटी बनाने से आपके जीवन में राहु का प्रभाव बढ़ जाता है। वैसे, इस दिन नाग की पूजा करने से राहु-केतु के प्रभाव और कालसर्प दोष से राहत मिलती है लेकिन अगर आप रोटी बनाते हैं, तो नाग देवता आपसे नाराज हो सकते हैं और परिवार पर आर्थिक संकट जैसे बुरे प्रभाव पड़ सकते हैं। इस दिन पूरी और हलवा खाना अच्छा माना जाता है।

हिन्दू धर्म में और किन अवसरों पर रोटी नहीं बनाना चाहिए

नाग पंचमी के अतिरिक्त भी कुछ ऐसे अवसर या त्यौहार हैं, जिस दिन रोटी बनाना वर्जित माना गया है। जैसे कि, शीतला अष्टमी के अवसर पर घर पर ताजी रोटियां बनाने से बचना चाहिए क्योंकि इस दिन शीतला माता को बासी भोजन का भोग लगाने की परंपरा है। देवी को भोग लगाने के बाद बासी भोजन ही खाना चाहिए। इसके अलावा शरद पूर्णिमा के दिन घर में रोटी बनाना भी अशुभ होता है। शरद पूर्णिमा के दिन धन की देवी लक्ष्मी प्रकट हुई थीं, इसलिए इस दिन खीर-पूरी बनाने का विधान है। मान्यता है कि इस दिन शाम के समय खीर बनाकर चांद की रोशनी में रखा जाता है और अगली सुबह प्रसाद के रूप में इसका सेवन किया जाता है।

इसके अलावा दीवाली पर भी रोटी बनाना अशुभ का है क्योंकि इस दिन हिंदू देवी लक्ष्मी की पूजा करते हैं। इसलिए इस दिन खास खाद्य पदार्थ बनाने की परंपरा है। इस दिन रोटी बनाने से माँ लक्ष्मी के साथ-साथ अन्नपूर्णा देवी भी रुष्ट हो जाती हैं। गरुड़ पुराण के अनुसार, अगर किसी घर में किसी परिजन की मृत्यु हो जाती है, तो घर में रोटी नहीं बनानी चाहिए और ना ही चूल्हा जलाना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि तेरहवीं के शोक की रस्म के बाद ही घर में रोटियां बनानी चाहिए।

नाग पंचमी पर बन रहे हैं ये अद्भुत संयोग इन राशि वालों की चमकेगी किस्मत!

हर वर्ष सावन माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को नाग पंचमी पर्व मनाते है. इस दिन शिव मंदिरों में पूजा के साथ नाग देवता के पूजन का विधान है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, नागपंचमी के दिन नाग देवता की पूजा करने से व्यक्ति के जीवन के सारे कष्ट और संकट दूर हो जाते हैं और जीवन में सुख, शांति व समृद्धि आती है.

नागपंचमी पर बनने वाले यह योग इन 4 राशियों के लिए लाभदायक रहेंगे. वैदिक पंचांग के अनुसार, इस साल 09 अगस्त को नाग पंचमी का पर्व मनाया जायेगा. इस दिन पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 06.01 मिनट से लेकर 08.37 मिनट तक रहेगा. इस दौरान भोलेनाथ के साथ नाग देवता की पूजा की जा सकती है. इस दिन ग्रहों का अद्भुत संयोग भी बन रहा है. इस बार सिद्ध और साध्य योग में नाग पंचमी का पर्व मनाया जाएगा. इस समय में भगवान भोलेनाथ और नाग देवता के पूजा से रोगों से भी मुक्ति मिलेगी. नागपंचमी पर इन राशियों के लिए लाभदायक रहेगा यह योग

मेष राशि - इस साल की नागपंचमी मेष राशि के जातकों के लिए बेहद शुभ रहेगी. इन राशि के जातकों की ग्रह स्थिति मजबूत रहेगी और भाग्य का इन्हें पूरा साथ मिलेगा. अगर व्यापार में नए कार्य के लिए मेहनत कर रहे हैं तो आपकी मेहनत सफल होगी. अगर लंबे समय से कोई बीमारी परेशान कर रहा है तो उससे भी छुटकारा मिलेगा.

कर्क राशि- नागपंचमी कर्क राशि के जातकों के लिए बहुत फलदायक रहेगी. कर्क राशि वालों को अपने कार्य में सफलता मिलेगी. किसी अनुभवी व्यक्ति से भी आपकी मुलाकात हो सकती है, जिनका अनुभव आपके करियर को तरक्की देने के काम आएगा. वैवाहिक जीवन सुखी रहेगा.

सिंह राशि - सिंह राशि वाले लोगों को नई नौकरी का ऑफर मिल सकता है. लंबे समय से चला आ रहा मानसिक तनाव भी दूर हो जाएगा. कोर्ट-कचहरी के मामलों में सफलता मिलेगी.

कुंभ राशि- कुंभ राशि वालों को व्यापार में लाभ और कर्ज से से छुटकारा मिल सकता है. विदेश में नौकरी के नए अवसर भी मिल सकते हैं.

भगवान श्रीकृष्ण का क्या संबंध है इस त्योहार से

नाग पंचमी एक संवेदनशील पर्व है। नाग जहां भगवान शिव के गले के हार हैं। वहीं भगवान विष्णु की शैय्या भी। लोकजीवन में भी लोगों का नागों से गहरा नाता है। कई पवित्र कारणों से नाग की देवता के रूप में पूजा की जाती है। नाग पंचमी की पूजा का एक प्रसंग भगवान श्री कृष्ण से जुड़ा हुआ है। बालकृष्ण जब अपने दोस्तों के साथ खेल रहे थे तो उन्हें मारने के लिए कंस ने कालिया नामक नाग को भेजा। पहले उसने गांव में आतंक मचाया। लोग भयभीत रहने लगे। एक दिन जब श्री कृष्ण अपने दोस्तों के साथ खेल रहे थे तो उनकी गेंद नदी में गिर गई। जब वे उसे लाने के लिए नदी में उतरे तो कालिया ने उन पर आक्रमण कर दिया फिर क्या था कालिया की जान पर बन आई। भगवान श्री कृष्ण से माफी मांगते हुए गांव वालों को हानि न पंहुचाने का वचन देकर नागदेव वहां से चले गए। कालिया नाग पर श्री कृष्ण की विजय को भी नाग पंचमी के रूप में मनाया जाता है।

संक्षिप्त खबरें

धामी जलागम विभाग की कर रहे हैं समीक्षा

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी गुरुवार को जलागम निदेशालय (देहरादून) में संचालित/प्रस्तावित परियोजनाओं की उच्च अधिकारियों के साथ समीक्षा कर रहे हैं। प्रदेश गठन के उपरांत जलागम मंत्री, मुख्य सचिव ,अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और शासन के अन्य उच्च अधिकारी एक साथ पहली बार मुख्यमंत्री धामी के साथ जलागम निदेशालय पहुंचे। मुख्यमंत्री धामी 'गुड गवर्नेंस' और 'कार्य प्रणाली में सुधार' के माध्यम से 'जनसेवा' को पहली प्राथमिकता के आधार पर कार्य को धार देने में जुटे हुए हैं। मुख्यमंत्री लगातार ऐसे विभागों की बैठक ले रहे हैं जिन विभागों में इससे पहले कोई मुख्यमंत्री गए ही नहीं थे।

ब्लॉक प्रमुख की दबंगई के खिलाफ हंगामा

बागपत। क्षेत्र पंचायत के टेंडन को लेकर गुरुवार को बागपत ब्लॉक में हंगामा हुआ है। ब्लॉक प्रमुख पर अपने चहेतों को टेंडर देने का आरोप लगाते हुए यह हंगामा हुआ। ब्लॉक प्रमुख और दूसरे पक्ष के बीच गाली गलौज और हाथापाई तक हो गई पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पूछताछ की है। बता देंगे कि क्षेत्र पंचायत की बैठक में 23 प्रस्ताव पास किए गए थे जिनके गुरुवार को टेंडर होने थे। गुरुवार सुबह ब्लॉक प्रमुख सुनीता ब्लॉक कार्यालय पहुंची उनके पहुंचते ही टेंडर लेने के लिए ठेकेदार भी पहुंच गए। आरोप है कि ब्लॉक प्रमुख रजिस्टर उठाकर अपने ऑफिस में ले गई इसके बाद ठेकेदारों ने हंगामा शुरू कर दिया।

दक्षिणी जापान में 7.1 की तीव्रता का भूकंप

टोक्यो। जापान के दक्षिणी तट पर गुरुवार को भूकंप के शक्तिशाली झटके महसूस किए गए, जिसके बाद सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विज्ञान एजेंसी ने बताया कि गुरुवार दोपहर दक्षिणी क्यूशू में 7.1 तीव्रता का भूकंप आया। इसका केंद्र जापान के दक्षिणी मुख्य द्वीप क्यूशू के पूर्वी तट पर 30 किलोमीटर (18.6 मील) की गहराई में था। उसके बाद क्यूशू के पूर्वी और दक्षिणी तट और शिकोकू के दक्षिणी तट पर सुनामी की चेतावनी जारी की गई। इसमें क्यूशू के दक्षिणी तट और पास के द्वीप शिकोकू के साथ 1 मीटर (3.3 फीट) तक की लहरें उठने की भविष्यवाणी की गई। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के अनुसार दक्षिणी जापानी द्वीपों क्यूशू और शिकोकू के तटीय क्षेत्रों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की गई है।

राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय के बच्चों के मामले में अभाविप ने किया प्रदर्शन

देवरिया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नें राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय देवरिया के छात्रावास में भोजन के पश्चात गंभीर रूप से विद्यार्थियों के बीमार होने तथा एक छात्र शिवम यादव की मृत्यु हो जाने की घटना पर रोष व्यक्त करते हुए धरना प्रदर्शन किया। विद्यार्थी परिषद ने समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण का पुतला फूंकते हुए समाज कल्याण अधिकारी को बर्खास्त करने और दोषियों को गिरफ़्तार करने की माँग किया। विभाग संगठन मंत्री सौरभ ने कहा कि यह एक बेहद दुर्भाग्यपूर्ण घटना हैं। जो स्थानीय प्रशासनिक लापरवाही को दिखाती है, साथ ही शासन की अति महत्वपूर्ण योजना के साथ जनपद के नाम को भी धूमिल करने का कुकृत्य भी प्रदर्शित करती है।

पोप फ्रांसिस के कार्यक्रम में पेटा समर्थकों ने किया प्रदर्शन

वेटिकन सिटी। वेटिकन में पोप फ्रांसिस की आम सभा में पहुंचे पेटा के दो समर्थकों प्रदर्शन कर विरोध दर्ज कराया। पशु अधिकारों की हिमायत करने वाली संस्था ह्यपीपल्स फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स (पेटा) के दो कार्यकर्ता बुधवार को वेटिकन में पोप फ्रांसिस के कार्यक्रम में पहुंचकर बाधा डालने का प्रयास किया। पेटा कार्यकर्ता बुलफाइटिंग के खिलाफ नारे लगाए और बैनर दिखाते हुए शोर मचाते हुए अपना विरोध दर्ज कराया। हालांकि उनको परिसर से बाहर कर दिया गया। दोनों ने 'स्टॉप ब्लेसिंग कोरिडास' (बुलफाइटिंग को बढ़ावा बंद करें) लिखी हुई टी-शर्ट पहन रखी थी और बुलफाइटिंग इज अ सिन (बुलफाइटिंग पाप है) लिखे हुए बैनर पकड़े हुए थे। पेटा पोप से अनुरोध कर रही है कि वे 'कैथोलिक चर्च' का 'बुलफाइटिंग' से संबंध समाप्त कर दें तथा इस घृणित रक्त खेल की निंदा करें। वेटिकन ने बुधवार के विरोध प्रदर्शन पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की।

क्लेरिकल स्टाफ विश्वविद्यालय की रीढ़: विनोद

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केन्द्र (एमएमटीटीसी) के सौजन्य से विश्वविद्यालय में कार्यरत क्लर्क/डीईओज के लिए 'डॉक्यूमेंट मैनेजमेंट ऑफ क्लेरिकल स्किल इनहांसमेंट' विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. विनोद छोकर इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि रहे जबकि अध्यक्षता एमएमटीटीसी की निदेशिका प्रो. सुनीता रानी ने की। डा. हरदेव सिंह व देवेन्द्र राणा प्रशिक्षण कार्यक्रम के समन्वयक हैं।

300 बेडेड सुपर स्पेशेलिटी हॉस्पिटल व ट्रॉमा सेंटर का शुभारंभ

40 लाख करोड़ की निवेश यात्रा को बनाया संभव: योगी

- ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का प्रतिफल है हेल्थ सिटी विस्तार हॉस्पिटल

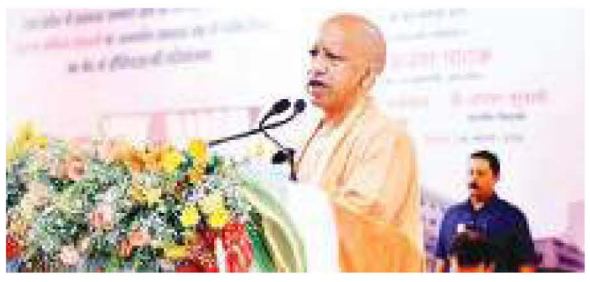

लखनऊ। एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को गोमतीनगर विस्तार के सेक्टर-4 वसंत खंड में 300 बेडेड सुपर स्पेशेलिटी हॉस्पिटल व ट्रॉमा सेंटर का बटन दबाकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने हेल्थ सिटी विस्तार हॉस्पिटल के निर्माण के लिए मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ.संदीप कपूर और उनकी पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह गोमती नगर विस्तार के नागरिकों के लिए उपहार है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हॉस्पिटल सेवा का माध्यम होने के साथ ही आजीविका का माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि मैं पूरी टीम को बधाई दूंगा कि ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट में जो इन्होंने एमओयू किया था, वह आज साकार हो गया है। पिछले 10 वर्ष के अंदर देश में स्वास्थ्य के क्षेत्र में बहुत परिवर्तन हुआ। स्वास्थ्य की सेवा फ्री होनी चाहिए और इसी प्रेरणा से हमने 5 करोड़ 11 लाख लोगों को आयुष्मान कार्ड के जरिए लाभान्वित किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जनआरोग्य योजना से भी हमने लोगों को जोड़ा है। मुख्यमंत्री राहत कोष से हमने 1 लाख 88 हजार लोगों को सुविधा उपलब्ध कराई है। विवेकानंद पॉलीक्लीनिक से शुरू हुई यह यात्रा 300 बेडेड सुपर स्पेशेलिटी हॉस्पिटल के रूप में साकार हो गई है। हम ग्रीन कॉरीडोर सुविधा भी उपलब्ध करा रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि मेरा आग्रह है कि इस अस्पताल में आयुष्मान भारत के लिए भी प्रावधान रखा जाए। इस योजना से हम व्यक्ति को 5 लाख रुपये तक की बीमा कवर उपलब्ध कराते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हेल्थ सिटी विस्तार अस्पताल माध्यम से न केवल लखनऊ बल्कि आस-पास के सभी क्षेत्रों में हेल्थ सर्विसेस का लाभ मिलेगा।

उत्तर प्रदेश में बदले निवेश के परिदृष्य के बारे में योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले इनवेस्टर समिट में 4 लाख करोड़ के निवेश से शुरू हुई यात्रा आगे चलकर 40 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुकी है। ये प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनाने के हमारे लक्ष्य का उदाहरण है। उन्होंने यह भी कहा कि निवेश के इन आंकड़ों को लोग फेक डाटा मानते थे, तो सूची जारी करके पब्लिक डोमेन में जारी किया। यह सफल मॉडल था।

मुर्मू का न्यूजीलैंड से पूरी दुनिया को संदेश, शिक्षा में परिवर्तन की शक्ति

वेलिंगटन। एजेंसी

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू तीन देशों की राजकीय यात्रा का पहला चरण फिजी में पूरा कर न्यूजीलैंड पहुंची हैं। उन्होंने यहां अंतरराष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन पूरी दुनिया को संदेश दिया। राष्ट्रपति ने कहा," शिक्षा हमेशा मेरे दिल के करीब रही है। मैंने शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति का प्रत्यक्ष अनुभव किया है। 21वीं सदी के भारत में शिक्षा प्रणाली की महत्वपूर्ण भूमिका है। शिक्षा ने विभिन्न क्षेत्रों को ऐसे नेता दिए हैं जो न केवल भारत, बल्कि दुनिया भर में योगदान दे रहे हैं।"

उन्होंने कहा, "आज भारत में युवाओं की बड़ी संख्या है। उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का महत्व मालूम है। भारतीय माता-पिता भी अपने बच्चों को सर्वोत्तम शिक्षा दिलाने की आकांक्षा रखते हैं। यह वास्तव में स्वागत योग्य है। आज आठ हजार भारतीय विद्यार्थी न्यूजीलैंड के विभिन्न संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।" इससे पहले न्यूजीलैंड पहुंचीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का गवर्नमेंट हाउस में गवर्नर जनरल डेम सिंडी किरो ने गर्मजोशी से स्वागत किया। राष्ट्रपति मुर्मू के स्वागत में पारंपरिक माओरी ₹पोविरी₹ समारोह आयोजित किया गया। उन्हें रॉयल गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। गवर्नर-जनरल डेम सिंडी किरो के निमंत्रण पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू न्यूजीलैंड के दो दिन के दौरे पर रहेंगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गवर्नर जनरल किरो के साथ बैठक की।

दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच मधुर और मैत्रीपूर्ण संबंधों की सराहना की और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की। राष्ट्रपति मुर्मू यहां प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन से भी मुलाकात करेंगी। वो ऑकलैंड में भारतीय समुदाय को भी संबोधित करेंगी। यात्रा के अंतिम चरण में राष्ट्रपति तिमोर-लेस्ते जाएंगी।

हिमकेयर योजना को बंद नहीं करेगी प्रदेश सरकार: उपमुख्यमंत्री

शिमला। एजेंसी

भाजपा सरकार के कार्यकाल में शुरू हुई हिमकेयर योजना को सुक्खू सरकार बंद नहीं करेगी। प्रदेश सरकार ने इस योजना को लेकर अपना रुख साफ किया है। राज्य के उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा है कि हिमकेयर योजना को बंद करने की प्रदेश सरकार की कोई मंशा नहीं है। इस योजना की कुछ कमियों को दूर कर इसे और अधिक सुदृढ़ बनाया जाएगा ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों को इसका लाभ मिल सके। उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री गुरुवार को हिमकेयर कार्ड और आयुष्मान भारत कार्ड के संबंध में गठित मंत्रिमंडलीय उप-समिति की पहली बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. (कर्नल) धनी राम शांडिल, कृषि मंत्री चंद्र कुमार, राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी और आयुष मंत्री यादविंद्र गोमा बतौर सदस्य मौजूद थे। बैठक में उपमुख्यमंत्री अग्निहोत्री ने कहा कि विपक्ष अफवाह फैला रहा है कि प्रदेश सरकार ने हिमकेयर योजना को बंद कर दिया है, जो सरासर गलत है। सच्चाई यह है कि राज्य सरकार ने कुछ अनियमितताएं पाए जाने के बाद केवल निजी अस्पतालों को इस योजना के दायरे से बाहर करने का निर्णय लिया है। उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में लोगों को सरकारी अस्पतालों में हिमकेयर कार्ड के माध्यम से स्वास्थ्य सुविधा जारी रहेगी। हिमकेयर कार्ड से स्वास्थ्य लाभ लेने पर सरकार द्वारा हर स्तर पर निगरानी रखी जाएगी। ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां मेडिकल बिल और उपचार की लागत में बहुत ज्यादा अंतर पाया गया है। प्रदेश सरकार को अभी निजी अस्पतालों को 150 करोड़ रुपये का भुगतान किया जाना है, जबकि सरकारी अस्पतालों को 307 करोड़ की अदायगी की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार इस योजना के अंतर्गत कुल 457 करोड़ रुपये का भुगतान करेगी।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा सीमा निर्धारित करने के कारण प्रदेश में आयुष्मान भारत कार्ड का लाभ लेने वाले पांच लाख 32 हजार परिवार ही पंजीकृत हैं।

कांग्रेस सरकार ने स्वावलंबन स्टार्टअप योजना पर हुई खामोश: जयराम ठाकुर

शिमला। एजेंसी

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा है कि प्रदेश की सतारूढ़ कांग्रेस सरकार ने स्वावलंबन योजना को एक झटके में बंद कर दिया है और स्टार्टअप योजना को भी शुरू नहीं कर पाई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने विधानसभा के चुनाव के समय स्टार्टअप योजना को गारंटी के रूप में प्रचारित किया और हर विधानसभा क्षेत्र में युवाओं के फॉर्म तक भरवा लिए कि सरकार बनते ही पैसे खाते में आ जाएंगे। सरकार बने डेढ़ साल से ज्यादा का समय हो गया लेकिन आज तक सरकार इस योजना का एक भी लाभार्थी नहीं बना पाई है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार हर स्तर पर युवाओं के साथ छल कर उनके भविष्य से खिलवाड़ कर रही है।

जयराम ठाकुर ने गुरूवार को एक बयान कहा कि सुक्खू सरकार को अपनी चुनावी गारंटी स्टार्टअप योजना के आँकड़े अब प्रदेश सामने रखने चाहिए कि डेढ़ साल के कार्यकाल में अब तक कितने युवाओं को इसका लाभ मिला? कितने युवाओं ने इससे रोजगार शुरू किए? इस योजना का लाभ कब से प्रदेश के युवाओं को मिलना शुरू होगा। चुनाव के समय कांग्रेस ने गारंटी दी थी कि सरकार बनने पर हर विधानसभा क्षेत्र के युवाओं के लिए 10 करोड़ के हिसाब से 680 करोड़ रुपए के स्टार्टअप फण्ड का प्रबंध करेगी। जिससे युवा अपने लिए रोजगार के साधन जुटाए और अन्य लोगों को रोजगार भी देंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेताओं ने स्टार्टअप के लिए लाभार्थी चुनने के लिए लिए चुनाव से पूर्व ही युवाओं से फॉर्म भी भरवा लिए थे।

लेकिन जितनी तेजी से सरकार ने स्वावलंबन योजना पर तालाबंदी की और जितनी तेजी चुनाव फॉर्म भरने में दिखाई, स्टार्टअप योजना को क्रियान्वित करने के मामले मे यह तेजी गायब हो चुकी है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि सरकार बने डेढ़ साल से ज्यादा का समय हो गया है।

11 से 13 अगस्त को युवा मोर्चा के कार्यकर्ता तिरंगा यात्रा निकालेंगे : सुशील

जौनपुर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा गुरुवार को पार्टी कार्यालय पर आगामी 15 अगस्त की तैयारी को लेकर हर घर तिरंगा कार्यक्रम और तिरंगा यात्रा जैसे महत्वपूर्ण विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय महामंत्री सुशील त्रिपाठी एव विशिष्ट अतिथि के रूप मे जिला प्रभारी अशोक चौरसिया रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण कर की गई। मुख्य अतिथि क्षेत्रीय महमंत्री सुशील त्रिपाठी ने कहा कि कई वर्षों से बड़े ही हर्षोल्लास के साथ राष्ट्र की एकता एवं अखंडता के साथ संकल्प व प्रतिबद्धता के साथ स्वतंत्रता दिवस को हर घर तिरंगा और तिरंगा यात्रा सहित विभिन्न कार्यक्रमों को आयोजित करते चले आ रहे हैं । पार्टी ने निर्णय लिया है कि 11, 12 व 13 अगस्त को प्रत्येक विधानसभा में तिरंगा यात्रा युवा मोर्चा के कार्यकर्ता बाइक रैली निकालेंगे । बड़ी संख्या में पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता स्थानीय नागरिकों के साथ मोटर साइकिल से हाथों में तिरंगा लेकर तिरंगा यात्रा निकालेंगे ।

आगामी आंदोलन व ब्रांच सम्मेलनों की रणनीति के लिए बुलाई आम सभा : दीपक

हिसार। एजेंसी

सर्व कर्मचारी संघ से संबंधित पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन की आईबी मैकेनिकल ब्रांच तथा आईबी सिटी ब्रांच की संयुक्त आम सभा में आगामी आंदोलन व ब्रांच सम्मेलनों की रणनीति बनाई गई है। इस संबंध में सिंचाई विभाग परिसर स्थित यूनियन कार्यालय में गुरुवार को आम सभा हुई। इसमें सरकार की कर्मचारी विरोधी नीतियों, संगठन के आगामी आंदोलन तथा संगठन की ब्रांचो के सम्मेलन के बारे में चर्चा की गई। इस मौके पर पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन के जिला सचिव अभय राम फौजी तथा जिला कैशियर रमेश शर्मा बतौर प्रभारी उपस्थित रहे। आम सभा की अध्यक्षता संयुक्त रूप से आईबी मैकेनिकल ब्रांच प्रधान विनोद फौजी तथा आईबी सिटी ब्रांच के प्रधान सतीश दनोदा ने की तथा संचालन आईबी मैकेनिकल ब्रांच सचिव दीपक मेहरा व सिटी ब्रांच सचिव राजेश महीच ने की। दोनों ब्रांचो के पदाधिकारी व सभी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। आईबी मैकेनिकल ब्रांच सचिव दीपक मेहरा ने बताया कि बैठक में सरकार की कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ आगामी आंदोलन की रणनीति पर चर्चा की गई।

सीएम फ्लाइंग ने बागवानी विभाग का किया निरीक्षण

जींद। सीएम फ्लाइंग ने वीरवार को बागवानी विभाग में दस्तक दी और जांच की। जांच रिपोर्ट को सीएम फ्लाइंग ने मुख्यालय को भिजवा दिया है। सीएम फ्लाइंग के डीएसपी रविंद्र कुमार ने गुरुवार को बताया कि सूचना मिली थी कि सरकार द्वारा बागवानी करने वाले किसानों को देय योजनाओं का लाभ नही मिल रहा है। उनके आवेदनों को लटका कर रखा जाता है। जिसके आधार पर सीएम फ्लाइंग के उप निरीक्षक बिजेंद्र सिंह, सतपाल, चरण सिंह की संयुक्त टी गठित की गई। टीम ने बागवानी विभाग की कार्यालय अधीक्षक को साथ ले वीरवार सुबह कार्यालय में दस्तक दी। हाजरी रजिस्टर जांचने पर कुल 25 कर्मियों में से 23 हाजिर मिले। जबकि दो छुट्टी पर पाए गए। वर्ष 2023-24 में भावांतर योजना के तहत एक किसान ने आवेदन किया।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार तुरन्त बंद हों : विहिप

हरिद्वार। एजेंसी

बांग्लादेश के हालात पर चिंता जताते हुए विश्व हिन्दू परिषद ने वहा हो रहे हिंदुओं पर अत्याचार को तुरन्त बंद कराने की भारत सरकार व विश्व मानवाधिकार आयोग से मांग की। साथ ही भारत में जल्द से जल्द एनसीआर लागू करने की भी वकालत की। प्रेस क्लब हरिद्वार में पत्रकारों से वार्ता करते हुए विहिप के प्रांतीय अध्यक्ष रविन्द्र दत्त ने कहा कि आज बांग्लादेश में जिस प्रकार से हिन्दुओं पर घोर अत्याचार किया जा रहा है,वहा उपद्रवी सुनियोजित तरीके हिन्दुओं के घरों को निशाना बनाया जा रहा है। उनके घरों को आग के हवाले कर घर की महिलाओं से दुष्कर्म की वारदातें सामने आ रही हैं। उपद्रवी मन्दिरों में घुसकर मूर्तियों को तोड रहे है। ऐसे अराजक माहौल पर विहिप भारत सरकार से मांग करता है कि तुरन्त ऐसी घटनाओं पर कड़ा एक्शन ले। उन्होंने कहा कि जिस इस्कॉन संस्था ने कोराना काल में लाखों बांग्लादेशियों को खाना खिलाया, उसी इस्कॉन मन्दिर को उपद्रवियों ने निशाना बनाया। वहां घुसकर तोड़फोड़ की और वहां रह रहे लोगों को मारा गया। हम विश्व मानवाधिकार से तुरन्त इस पर हस्तक्षेप की मांग करते हैं। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश निर्माण के वक्त हिन्दू वहां 18 फीसदी थे, लेकिन अब 8 फीसदी रह गए। हिन्दुओं की घटती आबादी ये बताने के लिए काफी है कि वहां हिन्दुओं को जिहादी प्रवृति के लोग टारगेट करते रहे हैं।

केदारघाटी आपदा जानवरों को निकालने के लिए संबंधित विभागों के साथ मिलकर किया प्रयास

1000 से अधिक घोड़ों-खच्चरों को पहुंचाया गया सुरक्षित स्थान पर

- 3 हजार से अधिक घोड़ों-खच्चरों को चारा उपलब्ध कराया गया

रुद्रप्रयाग। एजेंसी

उत्तराखंड की केदारघाटी में 31 जुलाई को आई आपदा के बाद अब तक एक हजार से अधिक फंसे हुए घोड़ों-खच्चरों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। इसके अतिरिक्त 3 हजार से अधिक घोड़ों-खच्चरों को चारा उपलब्ध कराया गया है। पशु क्रूरता निवारण समिति और पीपल फॉर एनिमल्स उत्तराखंड फंसे हुए घोड़े और जानवरों को निकालने के लिए संबंधित विभागों के साथ मिलकर प्रयासरत है। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. आशीष रावत ने बताया कि अतिवृष्टि के कारण आपातकालीन स्थिति के बाद अब तक नागरिकों तथा पशु कल्याण संगठनों की मदद से हजारों पशुओं की जान बचाई जा चुकी है। पीपल फॉर एनिमल्स उत्तराखंड द्वारा वर्ष 2013 की भांति यात्रा मार्ग में फंसे हुए पशुओं को अविमुक्त करने के कार्य में सराहनीय सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि केदारघाटी में आपातकालीन निकासी के लिए हजारों यात्रियों को हेलीकॉप्टर के माध्यम से सुरक्षित निकाला गया। मार्ग में कई घोड़े फंसे हुए हैं। जंगलचट्टी और लिनचोली जैसे स्थानों पर टूटे हुए मार्ग के कारण घोड़ों को उन स्थानों से निकलने में दिक्कत आ रही है। पशुपालन विभाग ने पशु क्रूरता निवारण समिति और पीपल फॉर एनिमल्स उत्तराखंड के साथ मिलकर उक्त स्थानों पर भोजन-चारा की व्यवस्था की है, जिससे सड़कों के साफ होने तक पशुओं को पर्याप्त भोजन उपलब्ध हो सके।

उन्होंने कहा कि अतिवृष्टि के बाद भीमबली पुलिस चौकी पर चौकी प्रभारी यशपाल रावत के सहयोग से रामबाड़ा में नदी पार पुराने रास्ते की ओर फंसे हुए घोड़ों को पीपल फॉर एनिमल्स की रेस्क्यू टीम की ओर से सफलता पूर्वक रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर लाया गया है। इन जानवरों के मालिकों से संपर्क करने का प्रयास किया जा रहा है ताकि वे केदारनाथ यात्रा मार्ग में अपने घोड़ों का संचालन पुनः कर सकें और साथ ही उन्हें जंगल के रास्ते से सुरक्षित स्थान पर ले जा सकें। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि केदारनाथ के दूसरे हिस्से में फंसे पशुओं को बचाव दल की ओर से समीप ही बुग्याल की ओर ले जाया जा रहा है, जहां उन्हें उनके मालिकों के आने तक अथवा सड़क साफ होने तक पर्याप्त भोजन मिल सकेगा। इसके साथ ही सभी घायल घोड़ों को पशुपालन विभाग और पीएफए की संयुक्त टीम की ओर से चिकित्सा सहायता भी प्रदान की जा रही है। किसी भी स्थान पर घोड़ों के फंसे होने की सूचना उपलब्ध कराने के लिए हेल्पलाइन नंबर-8445356388 जारी किया गया है।

युवा देश की असली ताकत, अपनी ऊर्जा को सकारात्मक कार्यों में लगाएं : बृजलाल

हिसार। एजेंसी

जिला परिषद के पूर्व चेयरमैन एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता बृजलाल ने कहा है कि युवा देश की असली ताकत हैं जो चाहें तो देश की दशा व दिशा बदल सकते हैं। इसलिए युवाओं को अपनी ऊर्जा सकारत्मक कार्यों में लगाते हुए देश व समाज की सेवा में अपना भरपूर योगदान देना चाहिए। बृजलाल गुरुवार को पनिहारी गांव में युवा संगठन की ओर से आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। इसके उपरांत बृजलाल ने पनिहारी में जनसंपर्क अभियान के तहत गांव का दौरा किया। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने का आह्वान करते हुए कहा कि नशा शुरू करना तो बेहद आसान है लेकिन यदि इसकी लत पड़ जाए तो इसे छोड़ पाना बेहद मुश्किल है। इसलिए युवा नशे से दूर रहें क्योंकि नशा जीवन को हर तरह से बर्बाद कर देता है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने हमेशा युवाओं के हितों को कुचलने का काम किया है। बड़ी-बड़ी डिग्रियां व उच्च शिक्षा प्राप्त युवा आज ग्रुप-डी, सी की नौकरियों के लिए जद्दोजहद कर रहे हैं। बृजलाल ने कहा कि यह अन्याय अब अधिक दिन तक नहीं चलने वाला, बस थोड़े समय की बात है।

संक्षिप्त खबरें

पेरिस ओलंपिक: मीराबाई चानू पदक से चूकीं भारोत्तोलन स्पर्धा में चौथे स्थान पर रहीं

पेरिस। मीराबाई चानू का लगातार दूसरे ओलंपिक पदक के लिए साहसी प्रयास निराशाजनक रूप से समाप्त हो गया, जब टोक्यो खेलों की रजत पदक विजेता बुधवार देर रात यहां साउथ पेरिस एरिना के भारोत्तोलन हॉल में कुल 199 किग्रा के साथ चौथे स्थान पर रहीं। पदक सुनिश्चित करने के लिए 200 किग्रा से अधिक का कुल वजन उठाने के स्पष्ट लक्ष्य के साथ, शीर्ष भारतीय भारोत्तोलक एक किग्रा से पोडियम स्थान से चूक गईं। मीराबाई ने अपने तीसरे प्रयास में 88 किग्रा का सर्वश्रेष्ठ स्नैच प्रयास किया। उन्होंने अपने पांचवें प्रयास में 111 किग्रा का क्लीन एंड जर्क मार्क दर्ज किया, जबकि पदक सुनिश्चित करने के लिए 114 किग्रा का उनका अंतिम प्रयास सफल नहीं रहा। अपने कम शारीरिक वजन के कारण, भारतीय खिलाड़ी 112 किग्रा के सफल क्लीन एंड जर्क प्रयास के साथ भी कांस्य पदक प्राप्त कर सकती थी और थाईलैंड की सुदोरचना खंबाओ के साथ कुल 200 किग्रा की बराबरी कर सकती थीं, लेकिन सफल नहीं हो सकीं। चीन की होउ झिहुई ने दो बार की यूरोपीय चैंपियन मिहेला कैम्बेई की कड़ी चुनौती को पार करते हुए 206 किग्रा के कुल वजन के साथ अपने खिताब का बचाव किया, जिसमें 117 किग्रा का ओलंपिक क्लीन एंड जर्क रिकॉर्ड भी शामिल है।

भारतीय एथलीट ज्योति का सफर समाप्त

नई दिल्ली। भारतीय एथलीट ज्योति याराजी का पेरिस ओलंपिक में सफर समाप्त हो गया है। ज्योति याराजी गुरुवार को पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ रेपेचेज राउंड में 13.17 सेकेंड का समय लेकर हीट 1 में चौथा स्थान हासिल किया। इससे वह प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह नहीं बना सकीं। प्रत्येक हीट से शीर्ष दो पर रहने वाले खिलाड़ी सेमीफाइनल में पहुंचते हैं। साउथ अफ्रीका की मैरियोन फौरी ने 12.79 सेकेंड के साथ हीट में शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि नीदरलैंड्स की माएके तजिन-ए-लिम ने 12.87 सेकेंड के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। इससे पहले बुधवार को भी ज्योति याराजी महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ के पहले राउंड में 13.16 सेकेंड का समय लेकर हीट 4 में सातवें स्थान पर रहीं थीं।

नौ अगस्त को होगा जिला स्तरीय ट्रायल

महोबा। जिला स्तरीय ट्रायल नौ अगस्त को जिला स्टेडियम में होगा। जहां जनपद स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मंडल स्तरीय ट्रायल के लिए चुना जाएगा। इसके बाद वह प्रदेश स्तरीय ट्रायल में शामिल हो सकेंगे। यह जानकारी उप क्रीड़ाधिकारी रामचंद्र ने गुरुवार को दी है। जिला क्रीड़ाधिकारी राम चंद्र ने बताया कि शुक्रवार को जिला स्टेडियम में विभिन्न खेलों को लेकर ट्रायल का आयोजन किया जाएगा। जिसमें टेनिस, वॉलीबॉल, तैराकी, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, कबड्डी, शतरंज, कुश्ती क्रिकेट और हॉकी सहित अन्य प्रतियोगिताओं का ट्रायल होगा व खिलाड़ी चयनित होंगे। ट्रायल में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी मंडल स्तरीय ट्रायल के लिए चुने जाएंगे, जहां 13 से 14 अगस्त को शानदार प्रदर्शन करने वालों को प्रदेश स्तरीय ट्रायल के लिए मौका मिलेगा।

पहलवान अंतिम पंघाल, सहयोगी स्टाफ को वापस स्वदेश भेजेगा आईओए

पेरिस। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने पहलवान अंतिम पंघाल और उनके सहयोगी स्टाफ को चल रहे ग्रीष्मकालीन खेलों के दौरान अनुशासनात्मक उल्लंघन के कारण स्वदेश वापस भेजने का फैसला किया है, क्योंकि उन्होंने ओलंपिक गांव की मान्यता अपनी बहन को दे दी थी। एक बयान में, आईओए ने घोषणा की कि फ्रांसीसी अधिकारियों ने रिपोर्ट की है कि अंतिम और उनके सहयोगी कर्मचारियों ने अनुशासनात्मक नियमों का उल्लंघन किया है। आईओए ने कहा, फ्रांसीसी अधिकारियों द्वारा आईओए के संज्ञान में अनुशासनात्मक उल्लंघन लाए जाने के बाद भारतीय ओलंपिक संघ ने पहलवान अंतिम और उनके सहयोगी कर्मचारियों को वापस भेजने का फैसला किया है। फ्रांसीसी अधिकारियों ने आईओए से शिकायत की।

भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने कुश्ती से लिया संन्यास

● पेरिस ओलंपिक के बाद कोई ताकत नहीं बची : विनेश फोगाट

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने पेरिस ओलंपिक में कठिन अनुभव के बाद कुश्ती से संन्यास की घोषणा की है, जहां फाइनल में पहुंचने के बाद उन्हें टूर्नामेंट से अयोग्य घोषित कर दिया गया था। विनेश दूसरे वेट-इन (फाइनल के दिन) के दौरान वजन मापने में विफल रहीं और उन्हें टूर्नामेंट से अयोग्य घोषित कर दिया गया, जिससे उनका पक्का पदक भी छिन गया। 29 वर्षीय विनेश कुश्ती में ओलंपिक फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बन गई थीं। भारत के लिए ओलंपिक पदक जीतने वाली एकमात्र अन्य महिला पहलवान साक्षी मलिक ने रियो 2016 में कांस्य पदक जीता था। गुरुवार की सुबह तड़के सोशल मीडिया पर विनेश ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखाः मां कुश्ती, तुमने मुझे हरा दिया। मुझे माफ कर दो। मेरे सपने टूट गए हैं। मेरी हिम्मत टूट गई है। अब मुझमें और ताकत नहीं है। अलविदा कुश्ती। मैं हमेशा तुम्हारा ऋणी रहूंगा। माफ करना। दो बार की ओलंपियन विनेश के नाम तीन कॉमनवेल्थ गेम्स गोल्ड, दो विश्व चैंपियनशिप कांस्य पदक और एक एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक है। उन्हें 2021 में एशियाई चैंपियन का ताज भी पहनाया गया था।

विनेश प्रतिष्ठित फोगट कुश्ती परिवार से हैं। उनकी चचेरी बहनें गीता, संगीता और बबीता भी पहलवान हैं। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता बजरंग पुनिया ने उनकी चचेरी बहन संगीता से शादी की है। पिछले अठारह महीने इस अनुभवी पहलवान के लिए विशेष रूप से कठिन रहे। 2023 के अधिकांश भाग के लिए, विनेश ने साक्षी और बजरंग के साथ मिलकर भारतीय कुश्ती महासंघ के तत्कालीन प्रशासकों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया, जिसका नेतृत्व उस समय के दीर्घकालिक अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह कर रहे थे।

विनेश और साक्षी ने महासंघ के भीतर सत्ता के दुरुपयोग की अन्य गंभीर शिकायतों के अलावा यौन उत्पीड़न और मानसिक शोषण के आरोप लगाए और जंतर-मंतर पर सड़कों पर कई सप्ताह तक विरोध प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शनों ने भारतीय कुश्ती महासंघ पर ध्यान केंद्रित करने में मदद की, जिसे निष्पक्ष संचालन प्रथाओं के लागू होने तक निलंबित कर दिया गया था। यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने फरवरी 2024 में डब्ल्यूएफआई के अनंतिम निलंबन को हटा दिया, लेकिन महासंघ को यह गारंटी देने की आवश्यकता थी कि बजरंग, साक्षी या विनेश के खिलाफ कोई भेदभावपूर्ण कार्रवाई नहीं की जाएगी। विनेश के लिए चीजें सकारात्मक हो गईं क्योंकि उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर 55 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता, जो लगभग 16 महीनों के बाद प्रतिस्पर्धी कुश्ती में उनकी वापसी थी।

विनेश ने एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर में फाइनल में पहुंचकर महिलाओं की 50 किग्रा श्रेणी में अपना पेरिस ओलंपिक कोटा सुरक्षित कर लिया था। उन्होंने सेमीफाइनल में लौरा गनीकीजी को हराया। डब्ल्यूएफआई ने कहा कि वे ओलंपिक ट्रायल आयोजित नहीं करेंगे और कोटा जीतने वाले पहलवान पेरिस में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

पेरिस ओलंपिक : अविनाश 3000 मीटर स्टीपलचेज फाइनल में ग्यारहवें स्थान पर

पेरिस। एजेंसी

भारत के अविनाश साबले बुधवार देर रात स्टेड डी फ्रांस में आयोजित पेरिस 2024 ओलंपिक में पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज फाइनल में ग्यारहवें स्थान पर रहे। मोरक्को के सौफियान एल बक्काली ने दौड़ जीतकर फिनलैंड के वोल्मारी इसो-होलो (1932-1936) के बाद पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज का खिताब बचाने वाले पहले धावक बन गए। एल बक्काली ने 8:06.05 का समय निकालकर जीत हासिल की, जबकि अमेरिकी केनेथ रूक्स ने 8:06.41 के समय के साथ रजत और केन्या के अब्राहम किबिवोट ने 8:06.47 के समय के साथ कांस्य पदक जीता। साबले ने जोरदार शुरूआत की और शुरूआती बढ़त हासिल की और शुरूआती डेढ़ लैप तक इसे बनाए रखा। लेकिन, जल्द ही बाकी धावकों ने बढ़त हासिल कर ली और इथियोपियाई तिकड़ी ने साबले को पीछे धकेल दिया।

28 वर्षीय एल बक्काली पिछली तीन वैश्विक चैंपियनशिप जीतकर पेरिस पहुंचे थे। 2021 में कोविड-विलंबित टोक्यो ओलंपिक में पहली जीत के बाद, जब वह 1980 के बाद से ओलंपिक स्टीपलचेज खिताब जीतने वाले पहले गैर-केन्याई धावक बने, उन्होंने यूजीन और बुडापेस्ट में विश्व चैंपियनशिप में लगातार जीत के साथ अपनी स्थिति की पुष्टि की। पेरिस उनका दूसरा ओलंपिक स्वर्ण पदक उन्हें अरब एथलीटों के बीच दुर्लभ समूह में शामिल करता है, जिन्होंने ग्रीष्मकालीन खेलों में दोहरा प्रदर्शन किया है।

केवल उनके मोरक्को के हमवतन हिचम एल गुएरौज, जिन्होंने एथेंस 2004 में 1500 मीटर और 5,000 मीटर में स्वर्ण पदक जीता था, और ट्यूनीशियाई तैराक ओसामा मेलौली (बीजिंग 2008 में 1500 मीटर फ्रीस्टाइल और लंदन 2012 में 10 किमी मैराथन) ने यह उपलब्धि हासिल की है।

आईसीसी ने प्रवीण जयविक्रमा से भ्रष्टाचार निरोधक संहिता के उल्लंघन पर मांगा जवाब

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने श्रीलंकाई स्पिनर प्रवीण जयविक्रमा पर आईसीसी भ्रष्टाचार निरोधक संहिता के उल्लंघन के तीन आरोप लगाए हैं। जयविक्रमा के पास आरोपों का जवाब देने के लिए 6 अगस्त से 14 दिन का समय है। आईसीसी के गुरुवार को जारी बयान के अनुसार जयविक्रमा कथित तौर पर बिना देरी किए भ्रष्टाचार निरोधक इकाई को रिपोर्ट करने में विफल रहे कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय मैचों और 2021 लंका प्रीमियर लीग के दौरान फिक्सिंग करने के लिए संपर्क किया गया था। श्रीलंका के गेंदबाज ने भ्रष्ट आचरण करने के लिए संपर्क करने से संबंधित संदेशों को डिलीट कर दिया था। आईसीसी ने जयविक्रमा को आरोपों का जवाब देने के लिए 6 अगस्त से 14 दिन का समय दिया है।

मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया लेकिन पदक से चूक गई : मीराबाई

पेरिस। एजेंसी

पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 49 किलोग्राम भारोत्तोलन स्पर्धा में चौथे स्थान पर रहने के बाद, भारतीय भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने निराशा व्यक्त करते हुए भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए कड़ी मेहनत करने की कसम खाई। चानू पदक जीतने से चूक गईं, उन्होंने कुल 199 किग्रा के साथ चौथा स्थान हासिल किया। उन्होंने भारतीय ओलंपिक संघ द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में अपनी भावनाओं को साझा करते हुए कहा, ₹मैंने देश के लिए पदक जीतने की पूरी कोशिश की, लेकिन आज मैं चूक गई...यह खेल का एक हिस्सा है, हम सभी कभी जीतते हैं और कभी हारते हैं...अगली बार मैं देश के लिए पदक जीतने के लिए कड़ी मेहनत करूंगी...मैं अपनी पूरी कोशिश करूंगी और अगले गेम में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगी। भारत और चानू के लिए, पेरिस में यह एक और चौथा स्थान था, जब वे कुल 199 किग्रा के साथ पदक जीतने से चूक गए।

पहला स्नैच इवेंट था, जिसमें भारोत्तोलक को बारबेल उठाकर एक ही बार में अपने सिर के ऊपर उठाना होता है। दूसरा क्लीन-एंड-जर्क इवेंट था, जिसमें भारोत्तोलक को बारबेल उठाकर अपनी छाती तक लाना होता है (क्लीन) और फिर अपनी बाहों और पैरों को फैलाकर सीधी कोहनी से उसे सिर के ऊपर उठाना होता है।

इंग्लैंड के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप श्रृंखला के लिए श्रीलंकाई टीम घोषित, रथनायके, थरका नए चेहरे

कोलंबो। एजेंसी

श्रीलंका ने इंग्लैंड के खिलाफ 21 अगस्त से मैनचेस्टर में शुरू होने वाली तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए 18 खिलाड़ियों की टीम घोषित कर दी है। यह श्रृंखला आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का हिस्सा है। टीम में मिलन रथनायके और निसाला थरका नए चेहरे हैं। 33 वर्षीय निसाला थरका ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है, उन्होंने 107 मैचों में 257 विकेट और 2358 रन बनाए हैं। यह श्रृंखला राष्ट्रीय टीम की जर्सी पहनने का उनका पहला अवसर है। दूसरी ओर, रथनायके अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड के खिलाफ पिछली श्रृंखला के लिए टेस्ट टीम का हिस्सा थे, लेकिन अभी तक उन्होंने पदार्पण नहीं किया है।

तेज गेंदबाजी लाइन-अप में असिथा फर्नांडो, विश्वा फर्नांडो, कसुन राजिथा और लाहिरू कुमारा शामिल हैं। धनंजय डी सिल्वा की अगुवाई वाली टीम में बल्लेबाज पथुम निसांका और स्पिनर जेफरी वांडरसे की भी वापसी हुई है। निसांका और वांडरसे ने आखिरी बार सबसे लंबे प्रारूप में 2022 में खेला था, वांडरसे का चयन एकदिवसीय मैच में भारत के खिलाफ 6/33 के अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के बाद हुआ। श्रीलंका के स्पिन आक्रमण का नेतृत्व प्रभात जयसूर्या और रमेश मेंडिस करेंगे जो टीम में गहराई और विविधता प्रदान करेंगे। कुसल मेंडिस को हाल ही में एकदिवसीय कप्तान के रूप में चरिथ असलांका द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है, जो टेस्ट श्रृंखला के लिए टीम के उप कप्तान होंगे। श्रीलंका 50% अंक प्रतिशत के साथ वर्तमान में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप स्टैंडिंग में चौथे स्थान पर है, जबकि इंग्लैंड 36.54% के साथ छठे स्थान पर है। यह श्रृंखला दोनों टीमों के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उनका लक्ष्य स्टैंडिंग में ऊपर चढ़ना और विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में जगह सुरक्षित करना है।

वाणिज्य

शेयर बाजार में गिरावट, मौद्रिक नीति के ऐलान से फिसला बाजार

नई दिल्ली। एजेंसी

घरेलू शेयर बाजार में शुरूआती कारोबार के दौरान कमजोरी का माहौल बना हुआ है। आरबीआई की मौद्रिक नीति का खुलासा होने के पहले बाजार ने सतर्क अंदाज में मामूली गिरावट के साथ कारोबार की शुरूआत की। बाद में जैसे ही आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने मौद्रिक नीति की जानकारी देनी शुरू की, वैसे ही शेयर बाजार की चाल में भी तेज गिरावट आ गई। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.58 प्रतिशत और निफ्टी 0.53 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे।

शुरूआती एक घंटे के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टाटा मोटर्स, डॉ रेड्डीज लेबोरेट्रीज, सिप्ला, डिवीज लेबोरेट्रीज और सन फार्मास्यूटिकल के शेयर 1.61 प्रतिशत से लेकर 0.40 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, इंफोसिस, बीपीसीएल, लार्सन एंड टूब्रो और पावर ग्रिड कॉरपोरेशन के शेयर 2.03 प्रतिशत से लेकर 1.63 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,226 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,124 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,102 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 4 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 26 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 8 शेयर हरे निशान में और 42 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 47.52 अंक की मामूली कमजोरी के साथ 79,420.49 अंक के स्तर पर खुला। आरबीआई की मौद्रिक नीति का ऐलान होने के पहले शेयर बाजार सतर्क अंदाज में कारोबार करता रहा, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में भी मामूली उतार चढ़ाव होता रहा।

आरबीआई ने लगातार नौवीं बार रेपो रेट को 6.50 फीसदी पर रखा बरकरार

मुंबई। एजेंसी

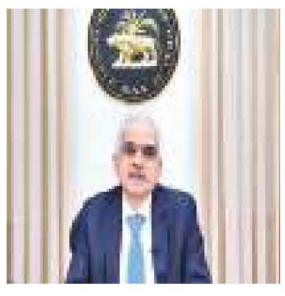

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने फिर ग्रोथ की जगह महंगाई को अहमियत देते हुए नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है। आरबीआई ने लगातार नौवीं बार रेपो रेट 6.50 फीसदी पर बरकरार है। लोन महंगे नहीं होंगे और ईएमआई भी नहीं बढ़ेगी। रिजर्व बैंक ने आखिरी बार फरवरी 2023 में रेपो रेट 0.25 फीसदी बढ़ाकर 6.5 फीसदी किया था। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने गुरुवार को मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के बाद यहां आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में फैसले की जानकारी दी। शक्तिकांत दास ने बताया कि एमपीसी की 6-8 अगस्त की बैठक में 6 में से 4 सदस्यों ने रेपो रेट को 6.50 फीसदी पर यथावत रखने का फैसला सुनाया है। उन्होंने कहा कि महंगाई को टिकाऊ स्तर यानी चार फीसदी पर लाने और वैश्विक अनिश्चितता के बीच आर्थिक वृद्धि को गति देने के मकसद से नीतिगत दर को यथावत रखा गया है। दास ने बताया कि केंद्रीय बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर के अनुमान को 7.2 फीसदी पर बरकरार रखा है। चालू वित्त वर्ष में खुदरा महंगाई दर 4.5 फीसदी रहने के अनुमान को भी बरकरार रखा गया है।

आरबीआई सार्वजनिक, निजी और ०?यावसायिक क्षेत्र की बैंकों को जिस ०?याज दर पर लोन देता है, उसे रेपो रेट कहा जाता है। रेपो रेट में कटौती होने पर उपभोक?ताओं को राहत मिलती है, लेकिन रेपो रेट बढ़ने पर मुश्किलें बढ़ जाती है।

बीएसएनएल का जनवरी माह से 5-जी का देशी तड़का

उज्जैन। बीएसएनएल एक बार फिर दूरसंचार सेवाओं में निजी कम्पनियों से मुकाबले के लिए मैदान में आ गया है। अभी कम्पनी द्वारा अपने उपभोक्ताओं को बाजार से कम दर पर 4-जी डाटा उपलब्ध करवाया जा रहा है। जनवरी माह से 5-जी सेवाएं भी शुरू हो जाएंगी। इसके लिए टीसीएस कम्पनी के देशी उपकरणों की तैनाती हो रही है। 3-जी तक चीनी कम्पनियों के उपकरणों पर निर्भरता थी, जिसकी आगे की सेवाओं तथा पूर्जों के अभाव में बीएसएनएल पिछड़ता चला गया। यह जानकारी दी बीएसएनएल,उज्जैन के महाप्रबंधक बसंत गुप्ता ने। चर्चा में उन्होंने बताया कि इस समय बाजार में 4-जी डाटा प्लान सबसे अधिक सस्ते बीएसएनएल के ही हैं। चूंकि बैसिक इंफ्रा स्ट्रक्चर है। ऐसे में सेवाओं को कम खर्च कर उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि संभाग में इस समय प्रति माह 36 हजार नए ग्राहक बीएसएनएल से जुड़ रहे हैं, यह अपने में रिकार्ड है। पहले प्रति माह करीब 6 हजार उपभोक्ता जुड़ते थे। चूंकि निजी कम्पनियों के डाटा प्लान महंगे होने तथा अंचलों तक नेटवर्क की समस्या आने के कारण एक बार फिर आम जनता का रूझान बीएसएनएल की ओर है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली। एजेंसी

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल कमजोरी के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा, जिसकी वजह से यहां के तीनों प्रमुख सूचकांक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। एशियाई बाजारों में भी आज मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.77 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,199.50 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 171.05 अंक यानी 1.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 16,195.81 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल 0.08 प्रतिशत टूट कर 38,732.72 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा, जिसकी वजह से यहां के तीनों प्रमुख सूचकांक जोरदार मजबूती के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 140.19 अंक यानी 1.72 प्रतिशत उछल कर 8,166.88 के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 135.97 अंक यानी 1.87 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,266.01 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया।

संक्षिप्त समाचार

धौलपुर के उच्च माध्यमिक विद्यालय उमरारा पुरा में किया गया वृक्षारोपण

चमकता राजस्थान। धौलपुर(रामदास तरुण)। धौलपुर के बी एस उच्च माध्यमिक विद्यालय, पुरा उमरारा में अध्यापक व बच्चों ने किया वृक्षारोपण तथा वृक्षारोपण करने में संस्था प्रदान राजू कुशवाह, व्यवस्थापक -के.एस. कुशवाह, व्यवस्थापक -राहुलसिंह कुशवाहा सहित विद्यालय के समस्त स्टॉफ व छात्र-छात्राओं के द्वारा आज विधालय में वृक्षारोपण किया गया तथा विद्यालय के अध्यापकों ने स्कूल के बच्चों को वृक्षो से होने वाले फायदा एवं पर्यावरण के बारे में अवगत कराया '

ग्रामीणों की समस्याओं का हो प्राथमिकता से समाधान : संभागीय आयुक्त

- पंचायत समिति में संभागीय आयुक्त ने की जनसुनवाई,समस्याओं का किया समाधान

चमकता राजस्थान। नदबई (से राजवीर सिंह)। पंचायत समिति परिसर में गुरुवार को संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा ने जनसुनवाई करते हुए विभागीय अधिकारियों को समस्या चिन्हित करने व प्राथमिकता से मूलभूत समस्याओं का समाधान करने को कहा। जनसुनवाई मे ग्रामीणों ने सरकारी व निजी भूमि पर अतिक्रमण, बिजली-पानी, जर्जर सड़क सहित अलग-अलग समस्याओं के बारे में संभागीय आयुक्त को अवगत कराया। बाद में संभागीय आयुक्त ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान करने व निर्धारित समयावधि में समस्या समाधान नही होने पर अधिकारी व कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की चेतावनी दी। बाद में संभागीय आयुक्त ने एसडीएम कार्यालय का निरीक्षण करते हुए जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की। वही, योजनाओं के सफल क्रियान्वन के लिए प्रचार-प्रसार करने व चिन्हित व्यक्तियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई दौरान प्रशिक्षु आईएएस राहुल श्रीवास्तव, एसडीएम गंगाधर मीणा, तहसीलदार कैलाश गौतम, बीसीएमओ डॉ राहुल कौशिक, अधिशाषी अभियंता मुकेश अग्रवाल सहित ब्लॉकस्तरीय विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सलूम्बर विधायक स्व. अमृतलाल मीणा को दी श्रद्धांजलि

चमकता राजस्थान। जयपुर, 8 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सलूम्बर विधायक अमृतलाल मीणा के आकस्मिक निधन पर उनको श्रद्धांजलि अर्पित की। शर्मा ने गुरुवार को सलूम्बर के लालपुरिया (सेमारी) पहुंचकर स्व. मीणा की पार्थिव देह पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया एवं शोक संतप्त परिजनों को सांत्वना दी।

मुख्यमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा कि स्व. अमृतलाल के आकस्मिक निधन का समाचार स्तब्ध कर देने वाला है। उनका निधन प्रदेश के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि स्व. मीणा वर्ष 2013 से बतौर विधायक लगातार तीन बार से सलूम्बर की जनता की सेवा में जुटे हुए थे। समाजसेवा और जनता के हित में वे हमेशा तत्पर रहते थे। शर्मा ने कहा कि स्व. अमृतलाल ने अपने जीवन में समाज के वंचित वर्गों के लिए निस्वार्थ भाव से काम किया और क्षेत्र के विकास में अद्वितीय योगदान दिया। उनको एक जनप्रिय नेता के रूप में सदैव याद किया जाता रहेगा। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति और परिजनों को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

इस दौरान जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, राजस्व मंत्री हेमन्त मीणा, राज्यसभा सांसद मदन राठौड़, विधायकगण, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि श्री मीणा के निधन के समाचार के पश्चात मुख्यमंत्री शर्मा ने गुरुवार को प्रस्तावित सभी कार्यक्रमों को स्थगित कर दिया था।

कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर भारत में बांग्लादेश जैसी स्थिति बनाना चाहते है : लक्ष्मीकान्त भारद्वाज

कांग्रेस भारत में अराजकता का माहौल पैदा करना चाहती है : लक्ष्मीकान्त भारद्वाज

चमकता राजस्थान

जयपुर। कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर के बयान का पलटवार करते हुए प्रदेश भाजपा प्रवक्ता लक्ष्मीकान्त भारद्वाज ने कहा की कांग्रेस नेता हमेशा से ही देश विरोधी बाते करते आये है । इन्होंने हमेशा ही देश को नीचा दिखाने का काम किया है । भारतीय जनता पार्टी इनके देश विरोधी बयान की कड़े शब्दों में निंदा करती है। आज जो कांग्रेस नेताओं ने बयान दिये है ये इनकी देश विरोधी मानसिकता को दर्शाता है । आज बांग्लादेश में जो स्थितियाँ पैदा हुई कांग्रेस भारत में एसी पैदा करना चाहती है।

भारद्वाज बताया कि बताया कि पूर्व में भी कांग्रेस नेता अय्यर ने पाकिस्तान में जाकर विरोधी देश पाकिस्तान की सराहना की थी और वर्ष 2017 में भी गुजरात विधानसभा चुनाव के दौरान मणिशंकर अय्यर ने पीएम मोदी के लिए अपमानजनक टिप्पणी की थी और उनके इस बयान से किनारा करते हुए कांग्रेस ने उन्हें निलंबित कर दिया था। बाद में उन्हें अपने इस बयान पर माफी भी मांगनी पड़ी थी।परंतु कांग्रेस ने अपने चरित्र को दर्शाते हुए अय्यर

को वापस पार्टी में ले लिया था जो कांग्रेस के देश विरोधी दोहरे चरित्र को दर्शाता है ।

अय्यर ने कहा है कि आर्थिक विकास के बाद भी बेरोज़गारी है बहुत बढ़ चुकी है परंतु उनको ज्ञान नहीं है आज भारत की अर्थव्यवस्था विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। और बहुत जल्दी ही पीएम मोदी के नेतृत्व में तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की और अग्रसर है ।

भारद्वाज ने कहा कि कांग्रेस अपने राजनैतिक स्वार्थों के चलते बांग्लादेश में हो रही दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं को अपने देश विरोधी चश्मे से देख रही है और कांग्रेस अपनी राजनीतिक पराजय की कुंठा को प्रदर्शित कर रही है ।

केंद्र सरकार व उच्च आयोग बांग्लादेश की घटनाओं पर नजर बनाये हुए है और लगातार भारतीय लोगो को वापस लाया जा रहा है । एसी स्थिति में भी कांग्रेस देश का साथ देने की बजाय देश में अराजकता का माहौल बनाने ने लगी हुई है । कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने भी देश में अराजकता फैलाने के लिए कहा की बांग्लादेश जैसा हिंसक प्रदर्शन भारत में भी हो सकता । असल मायने में कांग्रेस भारत में अराजकता फैलाना चाहती है ।

उदयपुर जिले में प्रताप नगर थाना पुलिस की कार्रवाई

हत्या का आरोपी गिरफ्तार : फ्रेंडशिप से मना करने पर 15 वर्षीय छात्रा को ट्रेन के आगे धक्का देकर की थी हत्या

चमकता राजस्थान

जयपुर/उदयपुर! (खलील कुरैशी) 8 अगस्त। जिले की प्रताप नगर थाना पुलिस की टीम ने 15 वर्षीय नाबालिग छात्रा को ट्रेन के आगे धक्का देकर हत्या के मामले में आरोपी शूरवीर सिंह पुत्र राम सिंह निवासी कुण्डीवाडा, देबारी को गिरफ्तार कर लिया है। बालिका के दोस्ती करने से मना करने पर आरोपी ने हत्या करना कबूल किया हैएसपी योगेश गोयल ने बताया कि 2 अगस्त की रात 15 वर्षीय नाबालिक के पिता द्वारा थाना प्रताप नगर में गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। रिपोर्ट में पिता ने बताया कि उसकी 15 साल की बेटी आज कम्प्यूटर क्लास के लिये निकली थी, लेकिन अभी तक घर वापस नही आई। रिपोर्ट पर अनुसंधान प्रारम्भ किया गया।

जिला पुलिस अधीक्षक गोयल के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा एवं सीओ छगन राजपुरोहित के सुपरविजन में थानाधिकारी भरत योगी मय टीम द्वारा बालिका की तलाश प्रारम्भ की गई। दौराने तलाश पुलिस टीम को सुचना मिली की झरनो की सराय, देबारी, रेलवे ट्रेक पर एक युवती का शव पडा हुआ है। सूचना पर टीम घटना स्थल पर पहुंची। जहा पर परिजनों

को बुलाकर मृतका की पहचान करवायी गई तो परिजनो ने अपनी स्वयं की बेटी होना शिनाख्त किया। घटनाक्रम संदिग्ध लगने पर टीम द्वारा मामले में आसूचना व तकनीकी सहयोग से घटना के संबंध में जांच प्रारम्भ की गई। जिस पर संदिग्ध शुरवीर सिंह को डिटेन कर घटना के संबध में पुछताछ की गई तो आरोपी ने बालिका की हत्या करना स्वीकार किया। इस पर अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त ने पुछताछ में बताया कि बालिका द्वारा दोस्ती नही करने के कारण आरोपी शुरवीर सिंह ने बालिका को बहला फुसला कर मिलने के बहाने रेलवे ट्रेक, देबारी बुलाया। जहां पर मृतका बालिका ने आरोपी से दोस्ती करने के लिये मना किया तो उसने बालिका को बातचीत के दौरान ट्रेक पर आ रही ट्रेन के सामने धक्का देकर हत्या करना स्वीकार किया।

बांसवाड़ा में पंचायत समिति घाटोल की सहायक प्रशासनिक अधिकारी 40 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी) 08 अगस्त, गुरूवार। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर ए.सी.बी. की बांसवाडा इकाई द्वारा कार्यवाही करते हुये वर्षा सेठ सहायक प्रशासनिक अधिकारी, पंचायत समिति घाटोल, जिला बांसवाड़ा को परिवादी से 40 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि ए. सी.बी. की बांसवाड़ा इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि उसके बकाया वेतन का भुगतान करने तथा एम्पलाई आईडी ट्रांसफर करने की एवज में आरोपी वर्षा सेठ सहायक प्रशासनिक अधिकारी, पंचायत समिति घाटोल, जिला बांसवाड़ा द्वारा 80 हजार रूपये रिश्वत राशि की मांग कर परेशान किया जा रहा है।

जिस पर एसीबी उदयपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस राजेन्द्र प्रसाद गोयल के सुपरवीजन में एसीबी की बांसवाड़ा इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ऋषिकेश मीणा के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया जाकर आज उनके द्वारा मय टीम के ट्रेप कार्यवाही करते हुए आरोपिया वर्षा सेठ सहायक प्रशासनिक अधिकारी, पंचायत समिति घाटोल, जिला बांसवाड़ा को परिवादी से 40 हजार रूपये की रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। उल्लेखनीय है कि आरोपिया द्वारा शिकायत के सत्यापन के दौरान भी परिवादी से 15 हजार रुपये रिश्वत के रूप में वसूल कर लिये थे।एसीबी जयपुर की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में आरोपिया से पूछताछ तथा कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने समस्त प्रदेशवासियों से अपील की है कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की हैल्पलाईन नं. 1064 एवं हँ३रंस्त्रस्त्र हैल्पलाईन नं. 94135-02834 पर 24७7 सम्पर्क कर भ्रष्टाचार के विरूद्ध अभियान में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। एसीबी आपके वैध कार्य को करवाने में पूरी मदद करेगी।

जिला प्रभारी मंत्री ने कलक्ट्रेट सभागार मे ली अधिकारियों की बैठक

बजट घोषणाओं को जल्द से जल्द धरातल पर उतारना सरकार की प्राथमिकता: जिला प्रभारी मंत्री

प्रभारी मंत्री ने की बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन की प्रगति जाहिर किया संतोष

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 08 अगस्त। बजट घोषणाओं को जल्द से जल्द धरातल पर उतारना राज्य सरकार की प्राथमिकता है, सभी विभागों द्वारा बजट घोषणाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृतियां जा की जा रही है। साथ ही परिवर्तित बजट घोषणाओं हेतु भूमि चिन्हीकरण और आवंटन के कार्य को गति दी जा रही है। यह कहना है जयपुर एवं जयपुर ग्रामीण जिले के प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल का। पटेल ने यह बात गुरूवार को जिला कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने विभागों द्वारा प्रस्तुत कार्य प्रगति विवरण पर संतोष जाहिर करते हुए कहा कि जिला

कलक्टर द्वारा बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन के लिए भूमि आवंटन कर दिया गया है। वहीं जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा भी अधिकांश बजट घोषणाओं के लिए भू-आवंटन की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारी विभाग से संबंधित बजट घोषणाओं का समयबद्ध एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करें।बैठक में प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने जयपुर शहर की यातायात व्यवस्था को और भी सरल एवं सुगम बनाने के लिए सार्वजनिक परिवहन सुविधा को बेहतर बनाने सहित अन्य बिन्दुओं पर कार्ययोजना तैयार करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने राजधानी के ड्रेनेज सिस्टम को मजबूत बनाने एवं मौसमी बीमारियों की समय रहते रोकथाम के लिए अस्पतालों में बेड एवं दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने सहित अन्य जरूरी इंतजाम दुरुस्त रखने की भी बात कही। प्रभारी मंत्री ने बैठक में हरियालो राजस्थान अभियान के तहत विभागों को आवंटित लक्ष्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सभी विभागों ने अपने लक्ष्यों से अधिक पौधारोपण कर मिसाल कायम की है। हरियालो राजस्थान अभियान के जिले को पौधारोपण का आवंटित लक्ष्य जल्द हासिल किया जाएगा साथ ही मनरेगा के तहत पौधों की देखभाल एवं जलापूर्ति सुनिश्चित की जाएगी।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए जोगाराम पटेल ने बजट घोषणाओं पर विभागीय अधिकारियों से बिन्दुवार कार्ययोजना एवं कार्यप्रगति की जानकारी ली। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को बजट घोषणाओं की समयबद्ध, त्वरित एवं प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिये। उन्होंने बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन से जुड़ी समस्याओं के निस्तारण के लिए समय-समय पर समीक्षा बैठक आयोजित करने के लिए भी निर्देशित किया।

ये गणमान्य अधिकारीगण रहे मौजूद

» बैठक में दूदू जिला प्रभारी सचिव आरती डोगरा, जिला कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित, पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसेफ, जयपुर ग्रेटर नगर निगम आयुक्त रुकमणी रियार, जयपुर हैरिटेज नगर निगम आयुक्त अभिषेक सुराणा, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रीति चन्द्रा, पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण शांतनु कुमार, अतिरिक्त जिला कलक्टर (दूदू) गोपाल परिहार, अतिरिक्त जिला कलक्टर (द्वितीय) नीलिमा तक्षक, अतिरिक्त जिला कलक्टर (उत्तर) अल्का विश्नोई, अतिरिक्त जिला कलक्टर (पूर्व) सुमन पंवार, अतिरिक्त जिला कलक्टर (तृतीय) राजकुमार कस्वां सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929